PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 284 ● भिलाई, शनिवार 23 मई 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के बाटला हाउस में महिला का गैंगरेप, खून से नहलाया और मांस के टुकड़े फेंके

नईदिल्ली। दिल्ली के जामिया नगर इलाके में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 23 वर्षीय युवती का गैंगरेप किया गया और उसको प्रताड़ित किया गया है। युवती ने वारदात का मुख्य आरोपी फहीम को बताया है, जो नाम बदलकर युवती से मिला था। वह अभी एक दूसरे मामले में जेल में बंद है। युवती ने घटना के 3 साल बाद पुलिस में शिकायत दी है। मामले में 4 लोग गिरफ्तार है और अन्य की तलाश जारी है। युवती ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई की उसकी दोस्ती 2021 में फहीम से सोशल मीडिया पर हुई थी। तब उसने अपना नाम साहिल बताया था। दोनों में दोस्ती हुई और 2022 में फहीम ने युवती को बाटला हाउस मिलने के लिए बुलाया था। युवती के पहुंचने पर यहां पहले से फहीम के साथ कई लोग मौजूद थे। उन्होंने युवती को बंधक बनाकर उसका गैंगरेप किया और उसको प्रताड़ित किया था। उसका अश्लील वीडियो भी बनाया गया। युवती ने पुलिस को बताया कि फहीम उसे ब्लैकमेल कर रहा था।

52 रुपये के गुटखा व सिगरेट चोरी मामले में 20 साल बाद 3 लोग बरी

संबलपुर। ओडिशा के संबलपुर में महज 52 रुपये के गुटखा और सिगरेट की चोरी के मामले में कोर्ट ने 20 साल बाद अपना फैसला सुनाया. उक्त मामला संबलपुर के कुचिंदा उपजिला के बामरा ब्लॉक के गोविंदपुर थाना क्षेत्र का है. इस घटना में 5 आरोपी थे, जिनमें से शिकायतकर्ता और 2 आरोपियों की मौत हो चुकी है. 2006 के इस मामले में जिन लोगों को कोर्ट ने बरी किया है, उनमें हेमंत साहू (55), गणेश जयपुरिया (50) और उमेश बंकारा (51) शामिल हैं. संबलपुर जिले के बामरा (पांद्रीपाथा) गांव के बस्ती स्टेशन स्थित स्वर्गीय प्रफुल्ल साहू की पान की दुकान से 10 अक्टूबर, 2006 को 52 रुपये मूल्य का गुटखा और सिगरेट चोरी हो गया था. उन्होंने इस संबंध में गोविंदपुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी. शिकायत के आधार पर तत्कालीन पुलिस ने मामला दर्ज किया. जांच के बाद, पुलिस ने नुनियामुंडा।

भारत-साइप्रस के बीच द्विपक्षीय वार्ता

पीएम मोदी बोले-समय की कसौटी पर खरे उतरे संबंध.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत और साइप्रस के संबंधों को नई मजबूती देने की दिशा में शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस के बीच नई दिल्ली स्थित हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय वार्ता हुई। पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देशों की दोस्ती न केवल मजबूत है, बल्कि भविष्य की जरूरतों और संभावनाओं के अनुरूप भी है। बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और विदेश सचिव विक्रम मिस्री समेत दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। पीएम मोदी और साइप्रस के राष्ट्रपति ने संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों के संबंध समय की कसौटी पर बार-बार खरे उतरे हैं और अब इन्हें नई दिशा देने के लिए रिश्तों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाया जा रहा है।प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस और उनके प्रतिनिधिमंडल का भारत में स्वागत करते हुए कहा कि पिछले वर्ष साइप्रस यात्रा के दौरान उन्हें मिले गर्मजोशी भरे स्वागत और सम्मान को भारत कभी नहीं भूलेगा। उन्होंने कहा कि साइप्रस द्वारा दिया गया सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत के प्रति सम्मान और दोनों देशों के गहरे रिश्तों का प्रतीक है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और साइप्रस की साझेदारी लोकतंत्र, कानून के शासन और संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान जैसे साझा मूल्यों पर आधारित है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि भारत

हमेशा इन सिद्धांतों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध रहेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में साइप्रस से भारत में निवेश लगभग दोगुना हुआ है, जो दोनों देशों के बीच बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते के चलते कई नई आर्थिक संभावनाएं खुली हैं और भारत अगले पांच वर्षों में इस निवेश को फिर से दोगुना करने का लक्ष्य रखता है। उन्होंने बताया कि दोनों नेताओं के बीच वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि चाहे यूक्रेन का मुद्दा हो या पश्चिम एशिया की स्थिति, भारत शांति और संघर्षों के जल्द समाधान के प्रयासों का समर्थन करता रहेगा। साथ ही उन्होंने वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में सुधार को जरूरी बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत-साइप्रस रणनीतिक साझेदारी दोनों देशों के रिश्तों में नई ऊर्जा, नई महत्वाकांक्षा और नई गति लेकर आएगी। साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने कहा कि उनका मुख्य फोकस भारत और साइप्रस के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के साथ-साथ भारत और यूरोपीय संघ के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने पर है।

प्रवासन और गतिशीलता समझौते पर सहमति

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा,अपने संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने के लिए, हमने 'प्रवासन और गतिशीलता समझौते'और 'सामाजिक सुरक्षा समझौते' पर सहमति बनाई है। हम उच्च शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में भी समझौते कर रहे हैं। पीएम मोदी ने आतंकवाद से जुड़े मामले पर कहा, साइप्रस के साथ हमारा रक्षा सहयोग भी बढ़ा है। हमने साइबर सुरक्षा, समुद्री सुरक्षा और आतंकवाद-रोधी क्षेत्रों में भी सहयोग का विस्तार करने का निर्णय लिया है।

घुसपैठियों को बाहर करने की शून्य-सहिष्णुता नीति

अमित शाह ने 'स्मार्ट बॉर्डर परियोजना की घोषणा की

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज घोषणा की कि सरकार सीमा पार घुसपैठ के प्रति शून्य-सहिष्णुता की नीति अपनाएगी। उन्होंने बताया कि देश की सीमाओं को सील करने और सभी अवैध प्रवासियों को निर्वासित करने के लिए एक व्यापक स्मार्ट बॉर्डर परियोजना इस वर्ष शुरू की जाएगी। शाह ने कहा कि अवैध प्रवासन जनसांख्यिकीय बदलाव लाने की एक सोची-समझी साजिश है, और सरकार हर घुसपैठिए की पहचान कर उसे निर्वासित करेगी। विज्ञान भवन में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के पदग्रहण समारोह 2026 को संबोधित करते हुए शाह ने यह बात कही। गृह मंत्रालय देश की 6,000 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर एक अभेद्य सुरक्षा ग्रिड लागू करेगा। उन्होंने घोषणा की कि अगले एक वर्ष के भीतर, स्मार्ट बॉर्डर अवधारणा के तहत, बीएसएफ को ड्रोन रडार और उन्नत कैमरों सहित आधुनिक तकनीक से लैस किया जाएगा। गृह मंत्री ने बीएसएफ से आग्रह किया कि वह घुसपैठ और पशु तस्करी के मार्गों की पहचान करने और उन्हें बंद करने के लिए राज्य पुलिस, जिला कलेक्टरों और ग्राम पटवारियों के साथ सीधे समन्वय करके अपने खुफिया नेटवर्क का विस्तार करे। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल, असम और त्रिपुरा सरकारों के साथ नीतिगत तालमेल इस सुरक्षा ग्रिड को सुविधाजनक बनाएगा।

दिल्ली के गोविंदपुरी में डबल मर्डर, मां-बेटे की चाकू से गोदकर हत्या, इलाके में फैली सनसनी

नई दिल्ली। साउथ ईस्ट दिल्ली के गोविंदपुरी थाना इलाके में बीती रात एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है. यहां एक घर में घुसकर अज्ञात हमलावरों ने मां और उसके बेटे की चाकू मारकर निर्मम हत्या कर दी और लूटपाट को अंजाम देकर फरार हो गए. मृतका की पहचान 40 वर्षीय शारदा और उसके 14 वर्षीय बेटे खुशहाली के रूप में हुई है. घटना का पता तब चला जब महिला का पति बाजार से वापस लौटा तो उसने किचन में अपनी पत्नी और बेटे को लहूलुहान हालत में पड़ा देखा. मिली जानकारी के मुताबिक, यह घटना दक्षिण पूर्वी जिले के गोविंदपुरी इलाके की गली नंबर 10 में हुई. बुधवार देर रात लगभग 12:30 बजे आरोपियों ने मां और बेटे पर हमला किया.

सीएम साय बोले यह सुशासन का प्रमाण

छत्तीसगढ़ के उसूर ब्लॉक को मिला दूसरा स्थान.....

रायपुर। संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के 'सुशासन' और जन कल्याणकारी नीतियों का असर अब राज्य के सबसे दूरस्थ अंचलों में दिखने लगा है। इसी कड़ी में बीजापुर जिले से एक गौरवशाली खबर सामने आई है। नीति आयोग द्वारा जारी देश के आकांक्षी ब्लॉकों की 'चैंपियंस ऑफ द क्वार्टर' (अक्टूबर- दिसंबर 2025) की रिपोर्ट में बीजापुर के उसूर ब्लॉक ने सेंट्रल जोन में पूरे देश में दूसरा स्थान हासिल कर प्रदेश का नाम रोशन किया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस उपलब्धि पर उसूर ब्लॉक और बीजापुर जिले के नागरिकों, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं एवं जिला प्रशासन को बधाई दी। उन्होंने कहा, उसूर ब्लॉक का राष्ट्रीय स्तर पर दूसरा स्थान प्राप्त करना हमारे सुशासन और अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का प्रत्यक्ष प्रमाण है। बस्तर के सुदूर गांवों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है। उसूर ने कठिन परिस्थितियों में जो कर दिखाया है, वह पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणा है। यह सफलता जमीनी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, मितानिन बहनों, एएनएम और डॉक्टरों के समर्पण का परिणाम है। हमारा लक्ष्य अब देश में प्रथम स्थान हासिल करना है। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में उसूर ब्लॉक की यह राष्ट्रीय सफलता बेहद गौरवशाली है।

फैसला 9 जून तक टला

लालू यादव परिवार को कोर्ट से बड़ी राहत!

नई दिल्ली। लालू यादव और उनके परिवार को दिल्ली कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। दिल्ली की कोर्ट ने शुक्रवार को कथित आईआरसीटीसी होटल घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लालू प्रसाद यादव, उनके परिवार के सदस्यों और अन्य आरोपियों के खिलाफआरोप तय करने पर अपना फैसला 9 जून तक टाल दिया। इस मामले की जांच ईडी कर रही है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने मामले में फैसला सुनाने की तारीख 9 जून तक टाल दी है। प्रवर्तन निदेशालय का यह मामला कथित आईआरसीटीसी होटल घोटाले से जुड़े अपराध की आय को मनी लॉन्ड्रिंग के जरिए छिपाने से संबंधित है। इस घोटाले को लेकर सीबीआई ने केस दर्ज कराया

था। सीबीआई जांच एजेंसी का आरोप है कि 2004 से 2009 के बीच रेल मंत्री रहते हुए लालू प्रसाद यादव के कार्यकाल में आईआरसीटीसी होटलों के संचालन के ठेके देने में गड़बड़ी की। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, होटल रखरखाव के ठेके निर्धारित नियमों का पालन किए बिना एक प्राइवेट कंपनी को दिए गए।

हज 2026: 54 उड़ानों से हज सफर पर रवाना हुए 20 हजार से अधिक हाजी

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली से केवल दिल्ली ही नहीं बल्कि देश के विभिन्न राज्यों के हज यात्री हज सफर पर रवाना होते हैं. दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से हज सफ़र पर जाने वाले हज यात्रियों के लिए दिल्ली प्रदेश हज कमेटी द्वारा विशेष इंतजाम किए जाते हैं. हज सफर 2026 के लिए दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट से कुल 54 उड़ानों रवाना हुई है. हज सफर के लिए आखिरी उड़ान 20 मई 2026 को रात 8:10 पर रवाना हुई. जिसके साथ हर सफर पर रवाना होने वाली फ्लो का सिलसिला समाप्त हो गया.

ओडिशा में भीषण सड़क हादसा

बस और ऑटो की भिड़ंत में छह लोगों की मौत-चार की हालत गंभीर बताई..

भुवनेश्वर। ओडिशा के गंजम जिले में शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। यहां एक बस और ऑटो रिक्शा के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में छह लोगों की जान चली गई और चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने इस घटना की जानकारी दी है। मृतकों में दो नाबालिग लड़कियां भी शामिल हैं। सभी मृतक और घायल एक ही गांव के बताए जा रहे हैं। शुरुआती जानकारी के अनुसार, एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना पुरुषोत्तमपुर थाना क्षेत्र के

अंतर्गत लाडकापल्ली चौराहे के पास हुई। तेज रफ्तार बस ने तीन पहिया ऑटो रिक्शा को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद तीन लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, तीन अन्य लोगों की मौत अस्पताल में इलाज के दौरान हुई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और राहत बचाव कार्य शुरू किया। हादसे का शिकार हुए सभी लोग ऑटो रिक्शा में सवार थे। दुर्घटना में घायल चार लोगों का पहले कोडाला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार किया गया। बाद में उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें बरहामपुर के एमकेसीजी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल वहां उनका इलाज चल रहा है।शुरुआती जानकारी के अनुसार, बस पुरुषोत्तमपुर से बरहामपुर की ओर जा रही थी। वहीं, ऑटो रिक्शा यात्रियों को लेकर मां सिंहासिनी मंदिर की ओर जा रहा था।

भारत लगातार दूसरे हफ़्ते दुनिया के 100 सबसे गर्म शहरों की लिस्ट में सबसे ऊपर

45 डिग्री के पार पहुंचा पारा,टूट रहे सारे रिकॉर्ड

नई दिल्ली/ एजेंसी

सड़कें तप रही थीं, धातु की रेलिंग को छूना भी मुश्किल हो गया था, और मौसम पर नज़र रखने वाले बार-बार एक ही पैटर्न दिखा रहे हैं — भारतीय शहर दुनिया के सबसे गर्म स्थानों की लिस्ट में सबसे ऊपर हैं। पिछले हफ़्ते दुनिया के 100 सबसे गर्म शहरों में से 99 शहरों के साथ टॉप पर रहने के बाद भारत ने गुरुवार को फिर से 100 में से 97 शहरों के साथ टॉप पर अपनी जगह बनाई है। लाइव ग्लोबल तापमान रैंकिंग एजेंसी AQI ने इस हफ़्ते दिखाया कि दुनिया के टॉप 100 सबसे गर्म स्थानों में भारतीय शहरों की असाधारण मौजूदगी जारी है, जो देश को अपनी चपेट में ले रही लू की तीव्रता को दिखाता है। 22 मई को दोपहर 2:49 बजे तक के लाइव डेटा के अनुसार, 100 शहरों में से तीन नेपाल के हैं, जबकि 97 भारत के हैं। ओडिशा, बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के शहर रैंकिंग में टॉप पर रहे। ओडिशा का बलांगीर, बिहार का सासाराम और छ का वाराणसी दुनिया के तीन सबसे गर्म स्थानों में शामिल थे, जहाँ हर जगह तापमान लगभग 47 से 48 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना भी लिस्ट के टॉप 50 में शामिल थे, क्योंकि

झुलसा देने वाली हवाओं और सूखे मौसम की वजह से गर्मी और बढ़ गई थी। सभी राज्यों में, उत्तर प्रदेश रैंकिंग में सबसे ज्यादा बार दिखाई देता है, जहाँ प्रयागराज, वाराणसी, मिर्ज़ापुर, ग़ाज़ीपुर, बांदा और फ़तेहपुर जैसे शहरों में दिन का तापमान बार-बार बहुत ज्यादा दर्ज किया गया। महाराष्ट्र इसके ठीक पीछे है, खासकर विदर्भ क्षेत्र के शहरों जैसे चंद्रपुर, नागपुर, वर्धा और अमरावती की वजह से। छत्तीसगढ़ भी प्रमुखता से शामिल है, जहाँ रायपुर, बिलासपुर, भिलाई और दुर्ग देश के सबसे गर्म शहरी केंद्रों में से हैं। राजस्थान के रेगिस्तानी ज़िलों से लेकर उत्तर प्रदेश के मैदानी इलाकों और महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र के गर्मी से बेहाल हिस्सों तक, तापमान इतनी तेज़ी से और लगातार बढ़ा है जितना इस मौसम में इतनी जल्दी शायद ही कभी देखा गया हो। छत्तीसगढ़ के रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग में भीषण गर्मी की स्थिति दर्ज की गई, जबकि ओडिशा के बालांगीर और राउरकेला में साफ़आसमान के नीचे दिन का तापमान बहुत ज्यादा रहा। इनमें से ज्यादातर शहरों में मौसम की स्थिति को लाइव रैंकिंग प्लेटफ़ॉर्म द्वारा बेहद गर्म के रूप में चिह्नित किया गया।

तेज गर्मी के कारण बढ़ रही बीमारियां

रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में आंध्र प्रदेश के हेल्थ डिपार्टमेंट के हवाले से दी गई जानकारी के मुताबिक, मार्च की शुरुआत से मई के बीच गर्मी से जुड़ी बीमारियों के 300 से ज्यादा संदिग्ध मामले सामने आए हैं। आंध्र प्रदेश में 1 मार्च से 19 मई के बीच हीटस्ट्रोक के 325 संदिग्ध मामले दर्ज किए गए, जिनमें से लगभग एक तिहाई मई की शुरुआत से रिपोर्ट किए गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि हीटस्ट्रोक, शरीर के ज्यादा गर्म होने से होने वाली एक मेडिकल इमरजेंसी है, अगर इसका तुरंत इलाज न किया जाए तो इससे कन्फ्यूजन, चक्कर आना, जी मिचलाना, दौरे पड़ना, बेहोशी और ऑर्गन फेलियर हो सकता है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने लगाई फटकार

एशियन गेम्स ट्रायल से बाहर हुईं विनेश फोगाट

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को विनेश फोगाट को बड़ी राहत देते हुए केंद्र सरकार को उनके मामले की जांच और मूल्यांकन के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित करने का निर्देश दिया है। अदालत ने यह भी कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि विनेश फोगाट को 2026 एशियाई खेल के चयन ट्रायल में हिस्सा लेने का अवसर मिले। सुनवाई के दौरान रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडियाकी कार्यप्रणाली पर भी अदालत ने नाराजगी जताई। कोर्ट ने फेडरेशन से सवाल किया कि आखिर किस आधार पर विनेश फोगाट को घरेलू प्रतियोगिताओं

के लिए अयोग्य घोषित किया गया। दिल्ली उच्च न्यायालय ने विनेश फोगाट से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि खिलाड़ियों और खेल संघ के बीच चल रहे विवाद का असर खेल पर नहीं पड़ना चाहिए।

सौगातों भरा रहा ग्राम करहीभदर में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर

शिविर में बड़ी संख्या में शामिल हुए करहीभदर सहित 19 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण, 5275 आवेदनों का किया गया निराकरण

बालोद। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत बालोद ब्लॉक के ग्राम करहीभदर में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर ग्राम पंचायत करहीभदर सहित करहीभदर कलस्टर में शामिल आसपास के 19 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों एवं हितग्राहियों के लिए सौगातों भरा रहा। इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों एवं हितग्राहियों को शासन के विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया।

शासकीय कन्या हाई स्कूल मैदान करहीभदर में आयोजित शिविर में संजारी बालोद विधानसभा क्षेत्र की विधायक संगीता सिन्हा, अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक, एसडीएम नुतन कंवर, जनपद अध्यक्ष सरस्वती टेमरिया, जनपद उपाध्यक्ष दिनेश सिन्हा, जिला पंचायत सदस्य पूजा साहू, जनपद सदस्य लोकेश डड़सेना एवं वरिष्ठ जनप्रतिनिधि कमलेश श्रीवास्तव सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के अलावा अधिकारी-कर्मचारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे। ग्राम पंचायत करहीभदर में आयोजित शिविर में जनप्रतिनिधियों एवं अतिथियों के द्वारा हितग्राहियों को स्वामित्व योजना अंतर्गत अधिकार अभिलेख का वितरण, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत आवास पूर्णता प्रमाण पत्र, मनरेगा जॉब कार्ड, दिव्यांग एवं बुजुर्गों को श्रवण यंत्र एवं बैटरी चलित ट्रायसायकल, नया राशन कार्ड, मत्स्य पालन प्रसार योजना अंतर्गत जाल एवं आईस बॉक्स वितरण, वृद्धा पेंशन का स्वीकृति आदेश के अलावा शासन के अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया।

गर्भवती माताओं को भेंट की सुपोषण किट

इसके अलावा शिविर में राज्य शासन के निर्देशानुसार दिव्यांगजनों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने हेतु मेडिकल बोर्ड लगाया गया था। इस दौरान मेडिकल बोर्ड में शामिल विशेषज्ञ चिकित्सकों के द्वारा शिविर में दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने पहुँचे दिव्यांगजनों का दिव्यांगता प्रमाण पत्र भी बनाया गया। शिविर में अतिथियों के द्वारा नन्हें-मुन्हें बच्चों को स्वादिष्ट खीर खिलाकर उनका अन्नप्राशन संस्कार कराया गया। इसके अलावा गर्भवती माताओं को सुपोषण किट भेंटकर उनके गोदभराई के रस्म को पूरा किया गया। इस अवसर अतिथियों ने बाल विवाह को एक सामाजिक अपराध बताते हुए शिविर में उपस्थित लोगों को बाल विवाह के रोकथाम के कार्य में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने की शपथ भी दिलाई। ग्राम करहीभदर में आयोजित शिविर में आज विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 5,402 आवेदन प्राप्त हुए थे जिसमें से 5,275 आवेदनों को मौके पर निराकरण सुनिश्चित किया गया। इस मौके पर शिविर में शासन के विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित होने वाले हितग्राहियों ने राज्य शासन के इस सुशासन तिहार 2026 के आयोजन की भूरी-भूरी सराहना भी की।

आम जनता से प्राप्त आवेदनों के समुचित निराकरण के लिए प्रतिबद्ध : कौशिक

शिविर को संबोधित करते हुए विधायक संगीता सिन्हा ने आम नागरिकों को शिविर के उद्देश्यों के संबंध में जानकारी दी तथा ग्राम करहीभदर में आयोजित सुशासन तिहार में प्रशासन की ओर से की गई बेहतर व्यवस्था की सराहना की। इस अवसर पर उन्होंने शिविर में करहीभदर कलस्टर में शामिल में 19 ग्राम पंचायतों से उपस्थित सभी ग्रामीणों एवं अतिथियों का आत्मीय अभिनंदन एवं स्वागत भी किया। विधायक संगीता सिन्हा ने अंचल के प्रमुख मांगों की ओर जिला प्रशासन के आला अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए उनका समुचित निराकरण सुनिश्चित करने को कहा। इसके अलावा उन्होंने शिविर में उपस्थित सभी विभागों के अधिकारियों से सुशासन तिहार के अंतर्गत आम जनता से प्राप्त आवेदनों का पूरी संवेदनशीलता एवं तत्परता से निराकरण सुनिश्चित करने को कहा। इस अवसर पर अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक ने सुशासन तिहार 2026 के आयोजन के उद्देश्यों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार के द्वारा आम जनता के कल्याण हेतु अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। शासन के मंशानुरूप बालोद जिला प्रशासन द्वारा जिले में जनकल्याणकारी योजनाओं का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शासन के मंशानुरूप बालोद जिला प्रशासन सुशासन तिहार के दौरान आम जनता से प्राप्त आवेदनों के समुचित निराकरण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार के दौरान आयोजित होने वाले जनसमस्या निवारण शिविरों के पंजीयन काउंटर में आम नागरिक अपने मांगों एवं समस्याओं के संबंध में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। संबंधित विभागों के द्वारा निर्धारित समयावधि में उनका समुचित निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

5,275 आवेदनों का किया गया निराकरण

शिविर को संबोधित करते हुए जनपद अध्यक्ष सरस्वती टेमरिया ने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार आम जनता के सर्वांगीण विकास के लिए कृतसंकल्पित है। सुशासन तिहार के दौरान शासन और प्रशासन के लोग आम जनता के बीच पहुँचकर उनके वास्तविक मांगों और समस्याओं के अलावा जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की पड़ताल कर रहे हैं। इसके साथ ही आम जनता से प्राप्त आवेदनों का समुचित निराकरण भी सुनिश्चित किया जा रहा है। जिला पंचायत सदस्य पूजा साहू ने सुशासन तिहार के आयोजन को आम जनता के वास्तविक समस्याओं के पड़ताल का बहुत ही कारगर माध्यम बताते हुए आयोजन की भूरी-भूरी सराहना की। उल्लेखनीय है कि करहीभदर में आज आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में ग्राम अमोरा, गुजगहन, जामगांव, करहीभदर, कोहेवाड़ा, परेगुड़ा, सांकरा (क), जमरुआ, मटिया (बी), मुलेगुड़ा, मालगांव, नर्रा, बरही, चिरईगोड़ी, जगतरा, परसोदा, देवारभाट, सिमोरा और झलमला सहित 19 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण जन शामिल हुए थे। शिविर में महिला एवं बाल विकास विभाग को 325 आवेदन, खाद्य विभाग को 713, श्रम विभाग को 421, विद्युत विभाग को 161, राजस्व विभाग को 136, कृषि विभाग को 98, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को 61 एवं जल संसाधन विभाग को 31 सहित विभिन्न विभागों से प्राप्त कुल 5,402 आवेदन में से 5,275 आवेदनों का निराकरण किया गया। शिविर में तहसीलदार आशुतोष शर्मा, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जेएस राजपूत, ग्राम पंचायत करहीभदर के सरपंच बसंत तारम सहित करहीभदर कलस्टर में शामिल ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के अलावा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

पेट्रोल डीजल व घरेलू सिलेंडर में महंगाई से आक्रोश बिजली कटौती व खाद बीज संकट से फूटा गुस्सा

जनहित के ज्वलंत मुद्दों को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

डोंगरगांव नगर। पीसीसी के निर्देश तथा राजनांदगांव जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के मार्गदर्शन में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी डोंगरगांव के द्वारा में पेट्रोल, डीजल एवं घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में इजाफे सहित अघोषित बिजली कटौती, लो वोल्टेज तथा किसानों को खाद बीज की समस्या को लेकर कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन किया। अंत में राज्यपाल के नाम नायब तहसीलदार जेपी खुंटे को ज्ञापन सौंपा। विधायक दलेश्वर साहू की मौजूदगी एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष टिकेश साहू के अगुवाई में आयोजित रैली दरम्यान युवा कांग्रेसजनों ने राजीव गांधी चौक में प्रधानमंत्री के प्रतीक पुतला दहन कर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान भाजपा सरकार एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। हाथों में बैनर व तख्ती लेकर चल रहे कांग्रेसजनों ने स्लोगन के माध्यम से जनता का ध्यान आकृष्ट कराया। इस दरम्यान सरकार की जमकर खिलाफत करते हुए गगनभेदी नारे लगे। पुराने बस स्टैंड परिसर में मीडिया को संबोधित करते हुए ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष टिकेश साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं भाजपा सरकार जनता को राहत देने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। पेट्रोल-डीजल एवं घरेलू सिलेंडर के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। बिजली कटौती नियति बन गई है, लो वोल्टेज से जनता हलाकान है। ब्लॉक अध्यक्ष ने जोर देते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी जनता की आवाज बनकर सड़क पर उतरी है और जब तक महंगाई, ईंधन संकट, गैस की किल्लत, बिजली कटौती, लो वोल्टेज तथा खाद-बीज की समस्या पर नियंत्रण नहीं होता है, तब तक कांग्रेस पार्टी का आंदोलन जारी रहेगा। उक्त रैली व विरोध प्रदर्शन में विधायक दलेश्वर साहू, ब्लॉक अध्यक्ष टिकेश साहू, संध्या साहू, गणेश साहू, डॉ नरेंद्र साहू, रोशन यदु, संजय मुटकुरे, लीलम गोस्वामी, मोहनीश साहू, कमल नारायण वैष्णव, चुम्मन साहू, योगेश साहू, विभा साहू, वैशाली बोरकर, स्फति शुक्ला, मयंक यदु, महेंद्र वैष्णव, प्रियंक जैन, रितेश राजपूत, सद्दाम खत्री, पुष्पेंद्र नेताम, राकेश साहू सहित नगर व ग्रामीण के सैकड़ों कांग्रेसी शामिल थे।

बेमेतरा सहित 4 डाइट को एक्सीलेंस डाइट के रूप में विकसित किया जाएगा

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के 4 जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट), डाइट पेंड्रा, डाइट बेमेतरा, डाइट कांकेर और डाइट रायपुर को एक्सीलेंस डाइट के रूप में विकसित किया जाएगा। इसी सिलसिले में आज डाइट बेमेतरा में भारत सरकार नई दिल्ली के सेक्शन ऑफिसर अमन कुमार एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद रायपुर (एससीईआरटी) के वित्त प्रभारी संतोष तम्बोली ने डाइट बेमेतरा का एक दिवसीय निरीक्षण के लिए विशेष दौरा किया। इस दौरान उन्होंने डाइट बेमेतरा के कैंपस का, विभिन्न कमरों, का प्रशिक्षण हॉल का निरीक्षण किया तथा अकादमिक और प्रशिक्षण संबंधी जानकारी प्राप्त किया। टीम के डाइट बेमेतरा परिसर में पहुंचने पर सर्वप्रथम डाइट प्राचार्य जे के घृतलहरे सहित अकादमिक सदस्यों ने पुष्प गुच्छ के द्वारा उनका आत्मीय अभिनंदन किया। तत्पश्चात शाल, श्रीफल के द्वारा उनका सम्मान किया गया। डाइट बेमेतरा के प्राचार्य जे के घृतलहरे ने संस्थान के बारे में नई दिल्ली से पहुंचे सेक्शन आफिसर अमन कुमार को बताया कि इस संस्थान की स्थापना बीटीआई (बुनियादी प्रशिक्षण संस्थान) के रूप में 1959 में हुई थी। यह अविभाजित दुर्ग जिले का एकमात्र बुनियादी प्रशिक्षण संस्थान था। 30 वर्ष पश्चात उनका उन्नयन 23 फरवरी 1989 को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) के रूप में हुआ। इस संस्थान में डीएलएड प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष की कक्षाएं संचालित की जाती है। जिसमें प्रत्येक कक्षा में 100 छात्र अध्यापकों को प्रवेश किया जाता है। साथ ही साथ डाइट का कार्य प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक शाला, उच्चतर माध्यमिक शाला की अकादमिक मॉनिटरिंग करना और वहां सेवारत शिक्षकों, व्याख्याताओं को गुणवत्ता युक्त प्रशिक्षण प्रदान करना है। संस्थान के द्वारा हर वर्ष छात्र अध्यापकों को शैक्षणिक भ्रमण कराया जाता है। प्रशिक्षण संबंधी जानकारी देते हुए संस्थान के वरिष्ठ व्याख्याता जी एल खुटियारे ने बताया कि शिक्षकों के लिए एफएलएन प्रशिक्षण, बालवाड़ी प्रशिक्षण, कक्षा 4थी के व कक्षा 7वी के नवीन पाठ्य पुस्तकों पर आधारित गुणवत्ता युक्त प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में बताते हुए जी एल खुटियारे ने बताया कि डीएलएड प्रथम वर्ष के छात्र अध्यापक शाला अवलोकन के लिए 12 दिवस प्राथमिक विद्यालय में जाते हैं और 12 दिन के लिए पूर्व माध्यमिक विद्यालय में जाते है। इसी तरह से शाला अनुभव कार्यक्रम के अंतर्गत डीएलएड के द्वितीय वर्ष के छात्र अध्यापक 50 दिन के लिए प्राथमिक विद्यालय में जाते हैं और 50 दिन के लिए पूर्व माध्यमिक विद्यालय में अध्यापन कार्य के लिए जाते हैं। एक्सीलेंस डाइट के निर्माण के लिए नई दिल्ली से स्वीकृत की गई 15 करोड़ की राशि में से 6 करोड़ 10 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति भी प्राप्त हो गई है। जिसका लोक निर्माण विभाग के द्वारा टेंडर का कार्य भी पूर्ण कर लिया गया है। अब बहुत ही जल्दी निर्माण कार्य भी शुरू हो जाएगा। स्वीकृत कार्यों में से अतिरिक्त प्रशासकीय कक्ष के लिए 63 लाख, अतिरिक्त अकादमिक कक्ष के लिए 63 लाख रुपए, प्रयोगशाला कक्ष के लिए 10 लाख, कम्प्यूटर कक्ष के लिए 28 लाख, सेमिनार हॉल के लिए 9 लाख, आडिटोरियम के लिए 24 लाख, प्रयोगशाला के लिए 50 लाख, रिसर्च और इनोवेशन सेंटर के लिए 10 लाख, मीटिंग हॉल के लिए 16 लाख, प्रसाधन कक्ष पुरुष 10 लाख, प्रसाधन कक्ष महिला 10 लाख, प्रसाधन कक्ष दिव्यांग के लिए 3 लाख, आई सी टी और टेक्नालाजी सुविधा के लिए 29 लाख, सुरक्षा संसाधनों के लिए 16 लाख, कर्मचारियों के आवास के लिए 81 लाख, फर्नीचर के लिए 71 लाख रुपए, रिपेयर और मेंटेनेंस के लिए 25 लाख, पीने के पानी के लिए 7.5 लाख रुपए, ग्रीन कैम्पस के लिए 20 लाख, पार्किंग सुविधा के लिए 10 लाख, कैंटीन सुविधा के लिए 10 लाख, पानी की सुविधा हेतु बोरवेल 5 लाख, क्रीड़ा सामाग्री के लिए 10 लाख, सोलर पैनल के लिए 21 लाख और रेन वाटर हार्वेस्टिंग के लिए 2 लाख रुपये सहित कुल 6 करोड़ 10 लाख की स्वीकृति प्राप्त हो गई है। इस अवसर पर संस्थान की सहायक प्राध्यापक उषा किरण पांडेय, प्रहलाद कुमार टिकरिहा, परस राम साहू, देवी प्रसाद चंदेश्वर, व्याख्याता अनिल कुमार सोनी, थलज कुमार साहू, यमुना जांगड़े, कीर्ति घृतलहरे, अमिंदर भारतीय, सत्येंद्र मिश्रा, पूनम पांडेय, सरस्वती साहू सहित सभी अकादमिक एवं कार्यालयीन सदस्य उपस्थित रहे।

प्रत्येक एक्सीलेंस डाइट के लिए 15-15 करोड़ की राशि स्वीकृत,

प्रथम किस्त के रूप में 6 करोड़ 10 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति के साथ टेंडर का कार्य पूर्ण

अवैध प्लाटिंग रोकने समिति का गठन कागजों तक सीमित

धमतरी। छग शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समस्त कलेक्टरों को पत्र लिखकर प्रदेश में अवैध प्लाटिंग रोकने के संबंध में कार्यवाही किये जाने का निर्देश दिया गया है। उक्त पत्र में कहा गया है कि विधानसभा सत्र 2024 ध्यानाकर्षण सूचना क्रमांक 2 पर सदन में चर्चा के दौरान निर्मित आश्वासन क्रमांक 148 अनुसार अवैध प्लाटिंग को रोकने हेतु सचिव, छग शासन राजस्व आपदा प्रबंधन विभाग की अध्यक्षता में अंतर्विभागीय समिति के बैठक में लिये गये निर्णय, सहमति अनुसार प्रदेश में हो रहे अवैध प्लाटिंग को रोकने का निर्देश जारी किया गया है। इस पत्र में इस हेतु समिति गठित कर नियमानुसार कार्यवाही किये जाने का भी उल्लेख किया गया है। लेकिन धमतरी जिले में 29 जनवरी 2026 के इस पत्र का पालन शून्य है। अभी तक उक्त पत्र के आधार पर कार्यवाही नहीं हुई है। भूमाफियाओं द्वारा कलेक्टोरेट, कंपोजिट बिल्डिंग जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में भी लगभग 20 से 25 एकड़ भूमि पर एक सफेदपोश नेता द्वारा की जा रही अवैध प्लाटिंग पर संबंधित विभाग मेहरबान है। आपदा प्रबंधन विभाग के पत्र की जानकारी लगने पर पॉयनियर ने इस समाचार को प्रमुखता से प्रकाशित किया था जिसका असर यह रहा कि कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने जिले में समिति गठित कर दी है। लेकिन अभी तक इस समिति ने क्षेत्र में हो रहे अवैध प्लाटिंग रोकने कोई कार्यवाही नहीं की है। छग भू राजस्व संहिता 1959 संशोधन अधिनियम 2025 विभागीय नियम निर्देश का पालन किये जाने की बात कहते हुए पत्र में उल्लेखित है कि आवास एवं पर्यावरण विभाग द्वारा अधिसूचित छत्तीसगढ़ किफायती जन आवास नियम 2025 में उपबंधित नियम, निर्देशों का पालन करना सुनिश्चित करें। पत्र के कॉलम 3 में जिला स्तर पर अवैध प्लाटिंग पर समुचित कार्यवाही करने हेतु जिला कलेक्टर के अध्यक्षता में समिति गठन किया जाये जिसमें पुलिस अधीक्षक, संबंधित विभाग यथा नगरीय प्रशासन एवं विकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, आवास एवं पर्यावरण, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग आदि को सदस्य बनाया जाकर समन्वय स्थापित करते हुए अवैध प्लाटिंग के प्रकरणों पर नियमानुसार कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करें।

इस पत्र की प्रतिलिपि छग शासन राजस्व आपदा प्रबंधन विभाग के विशेष सचिव ने निज सहायक, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग मंत्री, मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर तथा सचिव छग शासन आवास एवं पर्यावरण विभाग मंत्रालय महानदी भवन को भी प्रेषित किया है किंतु जनवरी 2026 में लिखे गये पत्र के परिपालन में धमतरी जिले में अब तक कोई कार्यवाही भूमाफियाओं या अवैध विकास करने वालों पर नहीं की गई है जिससे इनके हौसले बुलंद हैं और वे कृषि योग्य भूमि को मुरूम डालकर उसमें रास्ता बना रहे हैं और अवैध प्लाटिंग कर उसे बेचने का प्रयास कर रहे हैं। इसी अवैध निर्माण में लगे एक सफेदपोश नेता जो पूर्व से इस कार्य के लिये चर्चित है, उनके द्वारा खुल्लम-खुल्ला यह कहा जा रहा है कि हमारे काम को करने से पहले ऊपर से नीचे तक की सेटिंग कर ली जाती है। सभी की आशाएं पूरी कर दी जाती हैं। हांका पड़े, पेपर छपे, चैनलों में आये, समिति गठित हो, इससे हमें कोई फर्क नहीं पड़ता। भूमाफियाओं द्वारा जिला प्रशासन के संबंधित विभाग को पिछले कई वर्ष से अवैध प्लाटिंग रोकने की चुनौती दी जा रही है। विभाग है कि इन चुनौतियों को नजरअंदाज करते हुए ऐसे तथाकथित भूमाफियाओं और अवैध विकास करने वालों पर मेहरबानी दिखाते हुए ऐसे लोगों पर कार्यवाही नहीं कर रही है। खबर तो यह भी है कि संबंधित विभाग से मिलीभगत होने के कारण ही ऐसे लोगों पर ठोस कार्यवाही नहीं हो रही है जबकि अन्य जिलों में अवैध विकास, बिना अनुमति अवैध प्लाटिंग करने वालों पर न सिर्फ एफआईआर दर्ज कराई गई है बल्कि उक्त स्थल को प्रतिबंधित कर दिया गया है और राजस्व आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जनवरी 2026 में लिखे गये पत्र के अनुरूप जिले में अभी तक यह समिति ने अवैध प्लाटिंग रोकने कोई उपाय नहीं किये है और अवैध प्लाटिंग करने वाले पूरे सक्रियता के साथ निर्माण कार्य में लगे हुए हैं। कंपोजिट बिल्डिंग, कलेक्टोरेट के पीछे सहित जिला मुख्यालय सड़क पर भी ऐसे अवैध निर्माण किये जा रहे हैं। आसपास का क्षेत्र भी अवैध विकास से अछूता नहीं है। जिधर देखो उधर अवैध प्लाटिंग का खेल खुल्लमखुल्ला चल रहा है। इससे राजस्व आपदा प्रबंधन विभाग के उक्त आदेश पत्र का धमतरी जिले में पूरी तरह मखौल उड़ाया जा रहा है। अनेक ऐसे क्षेत्र है जहां कृषि योग्य भूमि को खरीदकर संबंधित माफिया अवैध प्लाटिंग का कार्य शुरू कर देते हैं। नियमानुसार ऐसी कृषि भूमि को खरीदने के पश्चात उसके स्वरूप को तीन साल तक नहीं बदला जा सकता परंतु मिलीभगत होने के कारण इस नियम का भी पालन नहीं हो रहा है। शहर के जागरूक लोगों ने छग राजस्व आपदा प्रबंधन विभाग के पत्रानुसार कार्यवाही की मांग की है।

कांग्रेस भवन में मनाई गई राजीव गांधी की पुण्य तिथि

धमतरी। पूरे देश में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि मनाई गई। इसी कड़ी में कांग्रेस भवन में कार्यक्रम आयोजित करके उन्हें याद किया गया। इस दौरान उनकी छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई एवं उपस्थित कांग्रेसियों ने शपथ लिया कि हम भारतवासी अपने देश की अहिंसा एवं सहनशीलता की परंपरा में दृढ़ विश्वास रखते हैं तथा निष्ठापूर्ण शपथ लेते हैं कि हम सभी प्रकार के आतंकवाद और हिंसा का डटकर विरोध करते हैं। हम मानव जाति के सभी वर्गों के बीच शांति, सामाजिक सदभाव तथा सूझ-बूझ कायम करने और मानव जीवन मूल्यों को खतरा पहुंचाने वाली और विघटनकारी शक्तियों से लड़ने की शपथ लेते हैं। पूर्व विधायक लेखराम साहू, पूर्व जिला अध्यक्ष मोहन लालवानी ने बताया कि राजीव गांधी नये भारत के निर्माता थे जिन्होंने देश में संचार क्रांति लाकर देश को तकनीकि क्षेत्र में विश्व स्तर पर खड़ा किया है। वहीं युवाओं को मतदान का अधिकार देकर उन्हें जिम्मेदारी का अहसास कराया।

साथ ही पंचायती राज एक्ट लाकर देश के ग्रामीण क्षेत्र को सत्ता में भागीदारी का मार्ग दिखाया। संगठन महामंत्री अरविंद दोषी, पूर्व पीसीसी सचिव लेखराम साहू ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी द्वारा स्थानीय निकायों और पंचायतों को मजबूत करने के लिए 73 और 74 वें संविधान में हुए संशोधन को तत्काल लागू करने की मांग भी उठाई थी जिससे देश विकास की ओर अग्रसर हो सके। उन्होने बताया कि आजाद भारत राजीव के महत्वपूर्ण योगदान के लिए हमेशा उनका ऋणी रहेगा। कार्यक्रम का संचालन ब्लॉक अध्यक्ष गौतम वाधवानी व आभार योगेश शर्मा के द्वारा किया गया। इस दौरान पूर्व विधायक लेखराम साहू, पूर्व जिला अध्यक्ष मोहन लालवानी, संगठन महामंत्री अरविन्द दोषी, पूर्व पीसीसी सचिव आनंद पवार, ब्लॉक अध्यक्ष योगेश शर्मा, गौतम वाधवानी, नेता प्रतिपक्ष दीपक सोनकर, उपनेता प्रतिपक्ष विशु देवांगन, नेता गोपाल प्रसाद शर्मा, विजय प्रकाश जैन, हरविंदर छाबड़ा, जिला उपाध्यक्ष सलीम रोकड़िया, जिला महामंत्री विक्रांत पवार, पार्षद सुमन मेश्राम, सूरज गहरवाल, कन्हैया सोनी, अविनाश मारोठे, पूर्व पार्षद सोमेश मेश्राम, आशुतोष खरे, अंबर चंद्राकर, गुड्डा दीवान, राजू शेख, चंदन रजक, जैनुद्दीन रिजवी, सूरज पासवान, योगेश्वर साहू, नवीन गर्जेन्द, गणेश्वरी कामड़े, अजय सिन्हा, धर्मेंद्र पटेल, मोहन ध्रुव, रुद्रा साहू, टिकेंद देवांगन, जितेंद्र चंदेल, मानिक साहू सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

होटल में बुजुर्ग की संदिग्ध मौत, कमरे में मिला शव

रायपुर। राजधानी रायपुर के गंज थाना क्षेत्र स्थित फफड़ीह के रंजीत होटल में एक बुजुर्ग व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। होटल के कमरे में शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार मृतक पटना (बिहार) से रायपुर आया था और रंजीत होटल के एक कमरे में ठहरा हुआ था। बताया जा रहा है कि देर रात होटल स्टाफ ने जब कमरे की जांच की, तब बुजुर्ग बेड पर अचेत अवस्था में पड़ा मिला। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई।मौके पर पहुंची पुलिस ने 112 की मदद से बुजुर्ग को मेकाहारा अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में हार्ट अटैक से मौत की आशंका जताई जा रही है, हालांकि मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।बताया जा रहा है कि मौत से कुछ समय पहले बुजुर्ग ने होटल रिसेप्शन पर फोन कर कमरे में पानी मंगवाया था। इसके बाद वह कमरे में चला गया। काफी देर तक कोई हलचल नहीं होने पर होटल स्टाफने कमरे का दरवाजा खोला, जहां वह बेहोश अवस्था में मिला।पुलिस ने होटल के कमरे को सील कर दिया है और होटल स्टाफसे पूछताछ की जा रही है। साथ ही सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि घटना के समय कमरे में किसी की आवाजाही हुई थी या नहीं।फिलहाल गंज थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि अभी किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि के स्पष्ट प्रमाण नहीं मिले हैं, लेकिन सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

नौकरी पाने के चक्कर में युवक पैसा गंवा बैठा, किया सुसाइड

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर में नौकरी लगाने के नाम पर लाखों रुपए की ठगी और प्रताड़ना से तंग आकर युवक द्वारा आत्मघाती कदम उठाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। ठगों के चंगुल में फंसकर अपनी जान गंवाने वाले युवक के लाचार पिता ने अब प्रशासन और पुलिस के आला अधिकारियों के चक्कर काटने के बाद थक-हारकर कलेक्टर जनदर्शन में न्याय की गुहार लगाई है। ग्राम हिरी निवासी रमेश साहू ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर जनदर्शन में अपनी पीड़ा सुनाई। उन्होंने बताया कि भवानी वैष्णव ने अप्रैल 2025 में बेटे राहुल साहू को रेलवे मेस में नौकरी दिलाने का झांसा दिया था। इसके एवज में पीड़ित पिता ने अपनी काश्तकारी भूमि को गिरवी रखकर कुल पांच लाख रुपए नगद आरोपित दंपत्ति को सौंपे थे।

2 करोड़ की जेवर चोरी, कर्मचारी पर कारोबारी ने लगाया आरोप

रायपुर। सदर बाजार स्थित मनोहरमल एंड कंपनी ज्वेलर्स में कर्मचारी ने ही करीब 2 करोड़ से ज्यादा के सोने के जेवर पार कर दिए। कारोबारी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी कर्मचारी के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोपी की तलाश की जा रही है।पुलिस के मुताबिक पीड़ित कारोबारी सुरेश भंसाली है, जो सदर बाजार में मनोहरमल एंड कंपनी नाम से सोने-चांदी का कारोबार करते हैं। 16 साल पुराने कर्मचारी ने जेवरों को लॉकर में रखने के बजाय अपने पास रख लिया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है।

सौम्य मुख्यमंत्री साय का सख्त रूख

मुख्यमंत्री साय ने कोरिया के सहायक आयुक्त को किया निलंबित

- मुख्यमंत्री ने सूरजपुर, कोरिया और एमसीबी जिले में पेयजल की समस्या और स्कूल परीक्षा परिणाम को लेकर जतायी नाराजगी
- सुशासन तिहार में सूरजपुर, कोरिया और एमसीबी जिले का औचक दौरा

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय सुशासन तिहार के दौरान आज सूरजपुर, कोरिया और एमसीबी जिले का औचक दौरा कर शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत का मुआयना किया। इस दौरान शिविर में वह ग्रामीणों आत्मीयता से मिले एवं धैर्य से उनकी समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने उक्त तीनों जिलों में सुशासन तिहार का जायजा लेने के बाद चिरमिरी में जिलों के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। मुख्यमंत्री ने बैठक में उक्त तीनों जिलों के ग्रामीण इलाकों में पेयजल की समस्या और स्कूली परीक्षा परिणाम की स्थिति को लेकर एक ओर जहां गहरी नाराजगी जतायी, वहीं कोरिया जिले में किसानों को खाद वितरण में गड़बड़ी का मामला सामने आने पर सहायक आयुक्त एवं सहायक पंजीयक सहकारी संस्थाएं आयुष प्रताप सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री के सख्त रूख से सभी लोग सकते में आ गए।मुख्यमंत्री श्री साय का सूरजपुर जिले के ग्राम रामपुर में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में ग्रामीणों से अपनत्वभाव से मिलना, उनकी समस्याएं सुनना, तेन्दूपत्ता संग्राहक श्रमिक महिलाओं को अपने हाथों से चरण पादुका पहनाना, बच्चों का

अन्नप्रासन और उनका नामकरण करना, एक ओर जहां उनके सौम्य व्यक्तित्व का परिचायक है, वहीं दूसरी ओर शासकीय कामकाज में लापरवाही के मामले में अधिकारियों पर नाराजगी और निलंबन की कार्यवाही सख्त प्रशासनिक व्यवस्था का स्पष्ट संकेत है। मुख्यमंत्री ने श्री साय ने समीक्षा बैठक के दौरान उक्त तीनों जिलों में पेयजल की समस्या के मामले में कलेक्टरों को हर-हाल में संकटग्रस्त क्षेत्रों में पेयजल की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन इलाकों में पेयजल की कमी है, वहां टैंकरों के माध्यम से पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित किया जाना, कलेक्टरों की जिम्मेदारी है। इस मामले में किसी भी तरह की कोताही पर कलेक्टर सीधे जिम्मेदार माने जायेंगे। मुख्यमंत्री ने तीनों जिलों के शालेय परीक्षा परिणाम की स्थिति को लेकर भी नाराजगी जतायी और कलेक्टरों को आगामी शिक्षा सत्र के लिए बेहतर कार्ययोजना बनाने के साथ ही स्कूलों में अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था को चाक-चौबंद करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूलों में पढ़ाई की व्यवस्था पर कड़ी निगरानी रखी जानी चाहिए, ताकि परीक्षा परिणाम में अपेक्षित सुधार हो सके। मुख्यमंत्री ने बैठक में कलेक्टरों को मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए कार्ययोजना बनाने के साथ ही उसका प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बरसात से पूर्व सभी पेयजल स्रोतों की साफ-सफाई और उनका क्लोरिनेशन अनिवार्य रूप से कराया जाए, ताकि दूषित पेयजल की वजह से होने वाली बीमारियों की रोकथाम हो सके। मुख्यमंत्री ने कलेक्टरों को प्रधानमंत्री आवास योजना के निर्माण कार्य को पूरी गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में किसी भी तरह की गड़बड़ी और हितग्राही के परेशान होने की शिकायत मिली तो, इसके लिए भी कलेक्टरों को सीधे जिम्मेदार माना जाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने उक्त तीनों जिलों के अधिकारियों की वर्चुअल समीक्षा बैठक चिरमिरी स्थित एसईसीएल के तानसेन भवन से ली।

आसमान को छूने के सपनों को मिली उड़ान

रायपुर। छोटे शहरों और गांवों के बच्चों के सपनों को नई उड़ान देने की दिशा में जिला प्रशासन सक्ती की एक अनूठी पहल सामने आई है। प्रशासन ने जिले के 24 मेधावी छात्र-छात्राओं को एयरपोर्ट भ्रमण कराकर न केवल उन्हें आधुनिक उड्डयन व्यवस्था से परिचित कराया, बल्कि उनके भीतर बड़े सपने देखने का आत्मविश्वास भी जगाया। इस विशेष शैक्षणिक भ्रमण ने बच्चों के लिए यादगार अनुभव का रूप ले लिया। एयरपोर्ट और फाइटर प्लेन को अब तक केवल किताबों, फिल्मों या टीवी स्क्रीन पर देखने वाले विद्यार्थियों ने जब उन्हें सामने से देखा, तो उनकी उत्सुकता और खुशी देखते ही बन रही थी। दरअसल, विद्यार्थियों के चयन के लिए 13 मई को जिला स्तरीय सामान्य ज्ञान एवं एप्टीट्यूड टेस्ट आधारित प्रतियोगिता परीक्षा आयोजित की गई थी। इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 24 छात्र-छात्राओं को एयरपोर्ट भ्रमण के लिए चुना गया। 16 मई की सुबह जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय सक्ती से सभी विद्यार्थियों को बस के माध्यम से स्वामी विवेकानंद विमानतल माना, रायपुर के लिए रवाना किया गया। एयरपोर्ट पहुंचने पर विद्यार्थियों को विमानतल परिसर का विस्तृत भ्रमण कराया गया। इस दौरान फ्लाइंग ऑफिसर और तकनीशियन ने बच्चों को फाइटर प्लेन एवं सिविलियन एयरक्राफ्ट की कार्यप्रणाली की जानकारी दी। उन्होंने विमान के विभिन्न हिस्सों, डिजाइन और उड़ान प्रणाली को बेहद सरल तरीके से समझाया।

सुशासन में लोन मेले से स्वसहायता समूहों को मिली नई आर्थिक ताकत

- दरभा में आयोजित शिविर में एक करोड़ 59 लाख से अधिक राशि का ऋण स्वीकृत

रायपुर/ संवाददाता

सुशासन तिहार 2026 के तहत बस्तर जिला में आयोजित दरभा के शिविर में महिला स्व-सहायता समूहों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया। शिविर में आयोजित लोन मेले के माध्यम से विभिन्न स्व-सहायता समूहों को स्वरोजगार और आजीविका गतिविधियों के विस्तार के लिए 58 महिला स्व-सहायता समूहों को कुल एक करोड़ 59 लाख रुपये की आर्थिक सहायता

(ऋण) प्रदान की गई। इस अवसर पर हितग्राही महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। समूहों को बैंक ऋण उपलब्ध कराए जाने से अब वे सिलाई, पशुपालन, किराना व्यवसाय, खाद्य प्रसंस्करण, कृषि आधारित गतिविधियों तथा अन्य लघु उद्यमों को आगे बढ़ा सकेंगी। महिलाओं ने कहा कि इस सहायता से वे आत्मनिर्भर बनने के साथ अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत कर पाएंगी। शिविर में तीन लाख रुपए की ऋण सुविधा लेने वाली तीरथगढ़ निवासी पदमा कावड़े ने बताया कि पूर्व में कुक्कुटपालन कर व्यवसाय कर रही थी और अब लोन लेकर सुगंधित धान की खेती-किसानी कर मक्का और मौसमी सब्जी के उत्पादन करने की योजना बनाई है। इसी प्रकार छिंदावाड़ा निवासी लता राव ने लोन मेला से दो लाख की ऋण राशि स्वीकृत कराई है जिसका उपयोग किराना दुकान संचालन करना चाह रही हैं। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। स्व-सहायता समूह ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूत कड़ी बनकर उभर रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव प्रथम तेलीन सत्ती माता महोत्सव में हुए शामिल

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव कोण्डागांव जिले के केशकाल में साहू संघ बस्तर संभाग द्वारा आयोजित प्रथम तेलीन सत्ती माता महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में वन मंत्री श्री केदार कश्यप, सांसद श्री महेश कश्यप और श्री भोजराज, विधायक श्री नीलकंठ टेकाम और श्री आशाराम नेताम सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं समाज के प्रमुखजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री साव ने तेलीन सत्ती माता को नमन करते हुए महोत्सव के प्रथम आयोजन पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि केशकाल घाटी से गुजरने वाले यात्री तेलीन सत्ती माता का आशीर्वाद लेकर अपनी यात्रा प्रारंभ करते हैं, जिससे उनकी यात्रा सफल और मंगलमय होती है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में यह महोत्सव और अधिक भव्य स्वरूप में आयोजित होगा तथा सभी के सहयोग से इसका गौरव लगातार बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समाज के गौरव हैं और उनके नेतृत्व में गांव, गरीब एवं किसानों के कल्याण के लिए अनेक जनहितकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि साहू समाज अन्य समाजों के साथ मिलकर छत्तीसगढ़ महतारी के गौरव को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि बस्तर सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है। यहां मां दंतेश्वरी की आराधना के लिए देशभर से लोग एकत्रित होते हैं। उन्होंने समाज के लोगों से एकजुट रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में बस्तर निरंतर विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार ने वर्ष 2030 तक बस्तर संभाग को विकसित संभाग बनाने का संकल्प लिया है, जिसमें जनसहयोग आवश्यक है। बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप ने समाज को विभाजित करने वाली ताकतों से सतर्क रहने और सभी समाजों को एकजुट होकर कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया। केशकाल विधायक श्री नीलकंठ टेकाम ने भी महोत्सव के सफल आयोजन पर शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर तेलघानी बोर्ड अध्यक्ष श्री जितेंद्र साहू, पूर्व मंत्री श्रीमती रमशीला साहू, श्री ताम्रध्वज साहू, श्री कमलचंद भंजदेव, पूर्व सांसद श्री दीपक बैज, साहू समाज के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नीरेंद्र साहू और महोत्सव समिति के संयोजक श्री राजेश मायाराम साहू सहित साहू समाज के अनेक पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

स्व-सहायता समूह ने बदली ललीता की जिंदगी मिली आत्मनिर्भरता की नई राह

- सिंचाई सुविधा बढ़ने से आय में हुआ इजाफा, अब पक्का घर बनाने का सपना भी हो रहा साकार

रायपुर/ संवाददाता

ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में संचालित शासन की योजनाएं अब जमीनी स्तर पर सकारात्मक बदलाव की मिसाल बन रही हैं। विकासखण्ड बलरामपुर के ग्राम चितमा की श्रीमती ललीता माधवी ने स्व-सहायता समूह से जुड़कर न केवल अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत की है, बल्कि आत्मनिर्भरता की नई पहचान भी बनाई है। सीमित संसाधनों और आर्थिक कठिनाइयों के बीच जीवन यापन करने वाली श्रीमती ललीता माधवी आज अपने परिवार के लिए प्रेरणा बन गई हैं। वैष्णवी स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्हें स्वरोजगार और खेती को आगे बढ़ाने का अवसर मिला। समूह के माध्यम से उन्होंने 3 लाख 50 हजार रुपये का ऋण प्राप्त किया, जिससे अपने खेत में बोर खनन कराया और खेती योग्य भूमि तैयार की। सिंचाई सुविधा उपलब्ध होने के बाद अब वे नियमित रूप से खेती कर रही हैं और उनकी आय में लगातार वृद्धि हो रही है। खेती से बढ़ी आमदनी ने श्रीमती ललीता के जीवन में नया आत्मविश्वास जगाया है। अपनी मेहनत और कमाई से उन्होंने स्कूटी खरीदी, जिससे दैनिक कार्यों और आवागमन में सुविधा मिलने लगी है। वे बताती हैं कि पहले छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता था, लेकिन आज वे आत्मविश्वास के साथ अपने निर्णय स्वयं ले रही हैं। श्रीमती ललीता को शासन की महतारी वंदन योजना का भी नियमित लाभ मिल रहा है, जिससे घरेलू जरूरतों को पूरा करने में सहायता मिलती है।

अस्पताल में कूलर-फैन नहीं गर्भवती महिला हुई बेहोश...

रायपुर। भीषण गर्मी के बीच अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही और अव्यवस्था का खामियाजा सबसे ज्यादा गर्भवती महिलाओं और मरीजों को भुगतना पड़ रहा है। सोमवार को अस्पताल परिसर में पैथोलाजी जांच के लिए कतार में खड़ी एक गर्भवती महिला अचानक चक्कर खाकर गिर पड़ी, जिसके बाद मौके पर मौजूद मरीजों और स्वजन का गुस्सा फूट पड़ा। वर्तमान में अस्पताल की सभी पैथोलाजी जांचों को मुख्य भवन से हटाकर परिसर में बने नए भवन में शिफ्ट कर दिया गया है। यहां व्यवस्थाओं के नाम पर केवल अव्यवस्था नजर आ रही है। जांच कराने आने वाले मरीजों को पहले भवन के बाहर रजिस्टर में एंट्री के लिए टीन शेड के नीचे लंबी कतार में खड़ा होना पड़ता है। तेज धूप और उमस भरी गर्मी में मरीज घंटों अपनी बारी का इंतजार करते रहते हैं, लेकिन उनके लिए न तो बैठने की व्यवस्था है और न ही पंखा या कूलर लगाया गया है। सबसे ज्यादा परेशानी गर्भवती महिलाओं को हो रही है। उन्हें भी सामान्य मरीजों की तरह लंबी कतार में खड़ा रहना पड़ रहा है। गर्मी और भीड़ के कारण कई महिलाएं असहज हो रही हैं। मरीजों का आरोप है कि जहां बाहर मरीज तपती गर्मी में परेशान हो रहे हैं। वहीं काउंटर के अंदर कर्मचारी कूलर और पंखों की ठंडी हवा में आराम से ड्यूटी कर रहे हैं। भगत सिंह चौक निवासी श्रीराज सिंह ने बताया कि वे अपनी गर्भवती पत्नी की जांच कराने अस्पताल पहुंचे थे। भीड़ इतनी ज्यादा थी कि कतार कई बार टीन शेड से बाहर निकलकर धूप तक पहुंच जाती है।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने दी विकास कार्यों की बड़ी सौगात

4.36 करोड़ रूपए के सड़क पुल-पुलिया निर्माण का किया भूमिपूजन

- भगवताटोला से भैंसबोड तक बनेगी 2.40 किमी पक्की सड़क
- चिर परिचित अंदाज में उप मुख्यमंत्री ग्रामीणों के साथ जमीन पर बैठे, समस्याएं सुनी, अनेक विकास कार्यों की घोषणा की'

रायपुर/ संवाददाता

कबीरधाम जिले के सहसपुर लोहारा विकासखंड के अंतर्गत ग्राम भगवताटोला से भैंसबोर्ड मार्ग पर अब सफर आसान और तेज होने जा रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने आज ग्राम बबई में विकास कार्यों की बड़ी सौगात दी। उन्होंने यहां 4.36 करोड़ रूपए से अधिक की लागत बनने वाले 2.40 किमी सड़क पुल पुलिया निर्माण कार्य का भूमिपूजन कर क्षेत्रवासियों का वर्षों पुराना इंतजार खत्म किया। यह सड़क मार्ग क्षेत्र की कनेक्टिविटी मजबूत करने के साथ ग्रामीणों के आवागमन को आसान और सुगम बनाएगा। इस दौरान साजा विधायक श्री ईश्वर साहू, श्री नितेश अग्रवाल, श्री लाला राम साहू, श्री भूखन साहू, श्री परदेशी पटेल, श्री जलेश्वर वर्मा, श्री लेख चंद पटेल सहित जनप्रतिनिधि और ग्रामवासी उपस्थित रहे। इस दौरान उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने अपने चिर परिचित अंदाज में जमीन पर बैठकर ग्रामीणों से आत्मीय चर्चा की, उनकी समस्याएं सुनीं और कई मांगों पर तत्काल विकास कार्यों की घोषणा कर क्षेत्रवासियों को बड़ी सौगात दी। उन्होंने महामाया मंदिर में कक्ष निर्माण के लिए 2 लाख, भगवता टोला में सामुदायिक भवन के लिए 6.5 लाख, सामुदायिक शौचालय निर्माण, समतलीकरण के लिए 2.5 लाख, बबई में मुरमीकरण के लिए 2 लाख रुपए, भैंसबोड में रंग मंच के लिए 4 लाख, पचरी निर्माण के लिए 3 लाख, ग्राम नरोधी में मुरमीकरण के लिए 4 लाख, सिंगारपुर में सामुदायिक भवन के लिए 6.5 लाख, ग्राम धनगांव में मुख्यमंत्री ग्रामसड़क योजना के तहत पक्की सड़क, मरार समाज के

सामुदायिक भवन कक्ष के लिए 5 लाख और महिला स्व सहायता समूह द्वारा मांग पर सोलर आटा चक्की बनाने की घोषणा की। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार गांवों के विकास के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सड़क, आवास, किसान हित और महिला सशक्तिकरण से जुड़े काम तेजी से किए जा रहे हैं, जिससे गांवों की तस्वीर बदल रही है। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना के तहत महिलाओं के खाते में हर महीने 1 हजार रुपए की राशि दी जा रही है, जिससे महिलाओं को आर्थिक मजबूती मिल रही है। साथ ही सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 18 लाख आवासों की स्वीकृति देकर बड़ा फैसला लिया गया, ताकि जरूरतमंद परिवारों को पक्का घर मिल सके। महतारी वंदन से अब तक 27 किस्तों के माध्यम से हर हितग्राही माता बहनों के खाते में 27 हजार की राशि पहुंच चुकी है। इस दौरान उन्होंने गुणवत्तापूर्ण और समय सीमा में सड़क व अन्य निर्माण पूरा करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। साजा विधायक श्री ईश्वर साहू ने कहा कि आज 4 करोड़ 36 लाख रुपए के लागत के विकास कार्यों के भूमिपूजन की सभी को बधाई दी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की गारंटी को छत्तीसगढ़ सरकार पूरा कर रही है। सरकार समर्थन मूल्य में धान की खरीदी कर रही है। महिलाओं को महतारी वंदन योजना के तहत 1 हजार रुपए महिलाओं के खाते में डाले जा रहे है। किसानों को बोनस राशि का भुगतान एक मुश्त किया गया है। मोदी जी के सभी वादे को पूरा किया गया है। प्रदेश के सभी जिले में सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है जहाँ मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय पहुंच रहे है और वहां का निरीक्षण कर रहे है साथ ही अनेक विकास कार्यों की सौगात भी दे रहे है।

संपादकीय

सोने पर सख्ती, क्या आर्थिक दबाव से निपटने की शुरुआत है यह बड़ा संकेत

भारत बहुमूल्य धातुओं का विश्व का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है। कच्चे तेल के बाद सोने का देश के आयात में दूसरा बड़ा हिस्सा है। इसकी बढ़ती मांग और आयात से विदेशी मुद्रा का इस्तेमाल भी बढ़ा है, जिससे रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर तक पहुंच गया है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर देश की जनता से विदेशी मुद्रा बचाने के लिए ईंधन कम खर्च करने और सोना न खरीदने को कहा है।सरकार के इस कदम का एक पहलू यह भी है कि इससे सोने-चांदी की कालाबाजारी और तस्करी बढ़ने की आशंका है। पश्चिम एशिया में संघर्ष से उपजे संकट का फिलहाल कोई स्थायी हल नजर नहीं आने के मद्देनजर भारत में इसके प्रभाव को कम करने के लिए वैकल्पिक उपायों पर अमल शुरू हो गया है। इसकी शुरुआत प्रधानमंत्री की ओर से हाल में जनता से किए गए आग्रह के बाद सोने-चांदी पर आयात शुल्क छह फीसद से बढ़ाकर पंद्रह फीसद कर देने की घोषणा से की गई। इसके बाद इन कीमती धातुओं के दाम में बुधवार को भारी उछाल आया। सरकार का कहना है कि संकट के समय गैर-जरूरी वस्तुओं के आयात से विदेशी मुद्रा भंडार पर बढ़ रहे दबाव को रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है।दरअसल, भारत बहुमूल्य धातुओं का विश्व का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है। कच्चे तेल के बाद सोने का देश के आयात में दूसरा बड़ा हिस्सा है। इसकी बढ़ती मांग और आयात से विदेशी मुद्रा का इस्तेमाल भी बढ़ा है, जिससे रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर तक पहुंच गया है। हालांकि, आभूषण कारोबारी सरकार के इस कदम से निराश हैं, लेकिन यह भी सच है कि समय रहते समुचित उपाय नहीं किए गए, तो आने वाले दिनों में जो जटिल परिस्थितियां पैदा होंगी, उनका सबसे ज्यादा असर आम आदमी पर ही पड़ेगा।गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर देश की जनता से विदेशी मुद्रा बचाने के लिए ईंधन के विवेकपूर्ण उपयोग, भोजन पकाने के तेल के इस्तेमाल में कमी लाने और सोने की खरीद एवं विदेश यात्रा को स्थगित करने जैसे उपाय अपनाने का आह्वान किया था। संदेश स्पष्ट था कि देश की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ रहा है, जिसे कम करने के लिए वैकल्पिक उपायों की ओर बढ़ना होगा।इसमें दोराय नहीं है कि किसी भी बड़े संकट से निपटने के लिए आम नागरिकों की भी अहम भूमिका होती है। जन भागीदारी के बिना न तो कोई योजना सफल हो पाती है और न ही संकट के दौरान आवश्यक उपायों का व्यापक स्तर पर सार्थक परिणाम सामने आता है। सोने-चांदी की खरीद नागरिकों की मूलभूत जरूरतों से परे है और इसे कुछ समय के लिए सीमित कर देने से अगर विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव कुछ कम हो जाए, तो यह एक सार्थक पहल साबित हो सकती है।सरकार के इस कदम का एक पहलू यह भी है कि इससे सोने-चांदी की कालाबाजारी और तस्करी बढ़ने की आशंका है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर निगरानी और सतर्कता बढ़ाने की जरूरत है। जमीनी और तटीय घुसपैठ मार्गों, संगठित तंत्र और वितरण केंद्रों के रूप में काम करने वाले कारोबारियों पर नियमित नजर रखनी होगी।

ट्रंप और जिनपिंग की दोस्ती ने बदल डाले वैश्विक राजनीतिक समीकरण, क्वाड का भविष्य अधर में

(नीरज कुमार दुबे)

ट्रंप की चीन यात्रा ने यह भी साफ कर दिया कि चीन को अलग थलग करने की अमेरिकी रणनीति अब पहले जैसी प्रभावी नहीं रह गई है। वहीं बीजिंग ने ट्रंप की इस यात्रा को केवल कूटनीतिक कार्यक्रम नहीं रहने दिया, बल्कि इसे अपनी तकनीकी, आर्थिक और सामरिक शक्ति के प्रदर्शन में बदल दिया।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चीन यात्रा बदलती विश्व व्यवस्था का ऐसा प्रतीक बनकर सामने आई जिसने वैश्विक राजनीति की दिशा पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। बीजिंग में राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ ट्रंप की लंबी बैठकों, व्यापारिक समझौतों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तकनीकी सहयोग पर चर्चा तथा अमेरिकी उद्योगपतियों की भारी मौजूदगी ने यह संकेत दिया कि तमाम टकरावों और आरोपों के बावजूद अमेरिका और चीन एक दूसरे से अलग नहीं हो सकते। इसी के साथ यह सवाल भी तेज हो गया है कि क्या इस यात्रा ने क्वॉड जैसे रणनीतिक समूहों के भविष्य पर भी अनिश्चितता पैदा कर दी है?

दिलचस्प बात यह है कि पिछले वर्ष जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शंघाई सहयोग संगठन सम्मेलन के दौरान शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी, तब ट्रंप ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि अमेरिका भारत को चीन और रूस के हाथों खो रहा है। यही नहीं, मोदी की चीन और रूस के नेताओं के साथ तस्वीरों को वाशिंगटन में रणनीतिक असहजता के रूप में देखा गया था। लेकिन अब वही ट्रंप खुद चीन की धरती पर शी जिनपिंग के साथ बैठकों में व्यस्त रहे। उनके साथ अमेरिका के सबसे बड़े उद्योगपति और तकनीकी कंपनियों के प्रमुख भी मौजूद रहे। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि यदि भारत का चीन से संवाद अमेरिका के लिए भारत को खो देना था, तो फिर ट्रंप की अपनी चीन यात्रा को क्या कहा जाए? क्या यह अमेरिकी यथार्थवाद है, आर्थिक मजबूरी है या फिर वैश्विक शक्ति संतुलन की नई स्वीकारोक्ति है?

ट्रंप की इस यात्रा ने यह भी साफ कर दिया कि चीन को अलग थलग करने की अमेरिकी रणनीति अब पहले जैसी प्रभावी नहीं रह गई है। वहीं बीजिंग ने ट्रंप की इस यात्रा को केवल कूटनीतिक कार्यक्रम नहीं रहने दिया, बल्कि इसे अपनी तकनीकी, आर्थिक और सामरिक शक्ति के प्रदर्शन में बदल दिया। शहर की सड़कों पर चालक रहित विद्युत वाहन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रणालियां, मानवरूपी रोबोट और डिजिटल विज्ञापन चीन की नई ताकत का प्रदर्शन कर रहे थे। चीन दुनिया को यह संदेश देना चाहता था कि अब वह केवल सस्ती वस्तुएं बनाने वाला देश नहीं बल्कि भविष्य की तकनीकों का नेतृत्व करने वाली शक्ति बन चुका है।

देखा जाये तो ट्रंप की यात्रा ऐसे समय हुई जब अमेरिका ईरान युद्ध के कारण कई मोर्चों पर दबाव में है। अमेरिकी खुफिया रिपोर्टों के अनुसार चीन ने ईरान संकट का उपयोग अपनी रणनीतिक स्थिति मजबूत करने के लिए किया है। होर्मुज जलडमरूमध्य संकट के बीच चीन ने ऊर्जा आपूर्ति और हथियारों के जरिये अपनी भूमिका बढ़ाई, जबकि अमेरिका युद्ध और आर्थिक दबावों में उलझा रहा। यही कारण है कि ट्रंप को अंततः बीजिंग पहुंचकर शी जिनपिंग से संवाद करना पड़ा।

बीजिंग में हुई बातचीत के दौरान ताइवान सबसे बड़ा मुद्दा बनकर सामने आया। शी जिनपिंग ने साफ कहा कि यदि ताइवान के मुद्दे को ठीक ढंग से नहीं संभाला गया तो दोनों देशों के बीच टकराव और संघर्ष हो सकता है। यह बयान केवल चेतावनी नहीं था बल्कि बदलते शक्ति संतुलन का संकेत भी था। चीन अब अमेरिका से बराबरी की भाषा में बात कर रहा है।

ट्रंप की प्राथमिकता हालांकि व्यापार और निवेश रही। उनके साथ एलन मस्क, जेन्सन हुआंग और अन्य अमेरिकी उद्योगपति भी पहुंचे। यह इस बात का संकेत था कि अमेरिकी उद्योग जगत चीन से दूरी नहीं चाहता। दुनिया की सबसे बड़ी उपभोक्ता अर्थव्यवस्था और विशाल तकनीकी बाजार से अलग होना अमेरिका के लिए आसान नहीं है।

व्हाइट हाउस की ओर से जारी आधिकारिक बयान ने भी यह स्पष्ट कर दिया कि ट्रंप की चीन यात्रा के दौरान दोनों देशों ने कई संवेदनशील मुद्दों पर व्यावहारिक सहयोग की दिशा में आगे बढ़ने के संकेत दिए। बयान के अनुसार ट्रंप और शी जिनपिंग ने अमेरिकी कंपनियों के लिए चीन में बाजार पहुंच बढ़ाने, चीन के निवेश को अमेरिका में प्रोत्साहित करने और कृषि उत्पादों की खरीद बढ़ाने पर चर्चा की। दोनों देशों ने होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला रखने और ऊर्जा आपूर्ति बाधित न होने देने पर भी सहमति जताई। चीन ने जलडमरूमध्य के सैन्यीकरण का विरोध दोहराया, जबकि ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देने पर भी साझा रुख सामने आया। यह बयान इस बात का संकेत है कि तीखी प्रतिस्पर्धा और रणनीतिक अविश्वास के बावजूद अमेरिका और चीन वैश्विक अर्थव्यवस्था तथा ऊर्जा सुरक्षा जैसे मुद्दों पर टकराव के बजाय नियंत्रित सहयोग की राह भी तलाश रहे हैं।

यही वह बिंदु है जहां क्वॉड का भविष्य भी सवालों में घिरता दिखाई देता है। क्वॉड को लंबे समय से हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन के प्रभाव को संतुलित करने वाले समूह के रूप में देखा जाता रहा है। भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की यह साझेदारी चीन को लेकर साझा रणनीतिक चिंता पर आधारित मानी जाती है। लेकिन यदि अमेरिका का राष्ट्रपति खुद चीन के साथ संबंधों को स्थिर करने, व्यापार बढ़ाने और तकनीकी सहयोग तलाशने बीजिंग पहुंचता है, तो फिर क्वॉड की वास्तविक दिशा क्या रह जाएगी?

भारत के लिए यह प्रश्न और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। पिछले कुछ वर्षों में नई दिल्ली ने क्वॉड को अपनी हिंद प्रशांत रणनीति का अहम हिस्सा बनाया है। लेकिन ट्रंप की चीन यात्रा यह संकेत देती है कि अंततः अमेरिका अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर ही निर्णय लेगा। यदि आर्थिक या सामरिक कारणों से उसे चीन के साथ समझौता करना पड़े, तो वह पीछे नहीं हटेगा। ऐसे में भारत को यह समझना होगा कि वैश्विक राजनीति स्थायी मित्रताओं से अधिक स्थायी हितों पर चलती है।

ट्रंप की यात्रा ने एक और महत्वपूर्ण तथ्य उजागर किया है। अमेरिका और चीन के बीच प्रतिस्पर्धा अब केवल व्यापार युद्ध तक सीमित नहीं है। यह तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऊर्जा, दुर्लभ खनिज, चिप निर्माण, समुद्री मार्गों और वैश्विक प्रभाव की व्यापक लड़ाई बन चुकी है। लेकिन इस प्रतिस्पर्धा के बीच दोनों देश एक दूसरे पर निर्भर भी हैं। अमेरिका चीन को रोकना चाहता है, लेकिन उसकी कंपनियां चीन के बाजार और विनिर्माण क्षमता से अलग नहीं हो पा रहीं। दूसरी ओर चीन अमेरिकी तकनीक और वैश्विक वित्तीय संरचना से पूरी तरह अलग नहीं हो सकता।

इसीलिए बीजिंग में ट्रंप और शी जिनपिंग की मुलाकात केवल दो नेताओं की बैठक नहीं थी। यह उस नई विश्व व्यवस्था की झलक थी जिसमें प्रतिद्वंद्विता और सहयोग साथ-साथ चलेंगे। दोनों देश सार्वजनिक रूप से एक दूसरे को चुनौती देंगे, लेकिन आर्थिक और तकनीकी स्तर पर पूरी तरह अलग भी नहीं होंगे।

इस पूरी प्रक्रिया में भारत की स्थिति बेहद जटिल हो जाती है। एक ओर वह अमेरिका के साथ सामरिक साझेदारी मजबूत कर रहा है, दूसरी ओर रूस से ऊर्जा खरीद जारी रखता है और चीन के साथ संवाद भी बनाए हुए है। ट्रंप की चीन यात्रा भारत को यह संदेश भी देती है कि वैश्विक राजनीति में किसी एक धुरी पर पूरी तरह निर्भर रहना जोखिम भरा हो सकता है।

बहरहाल, ट्रंप की बीजिंग यात्रा ने यह स्पष्ट कर दिया है कि 21वीं सदी की विश्व राजनीति का केंद्र अब अमेरिका चीन संबंध ही होंगे। यही संबंध तय करेंगे कि वैश्विक अर्थव्यवस्था किस दिशा में जाएगी, तकनीकी नेतृत्व किसके हाथ में रहेगा और भविष्य की विश्व व्यवस्था कैसी होगी। लेकिन इसके साथ ही यह यात्रा एक बड़ा सवाल भी छोड़ गई है कि यदि अमेरिका खुद चीन के साथ अपने रिश्तों को नए सिरे से गढ़ रहा है, तो फिर दुनिया के बाकी देशों से वह किस प्रकार की रणनीतिक निष्ठा की अपेक्षा कर सकता है?(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

अभिव्यक्ति की आजादी के आवरण में फैलती ईशनिंदा

(डा. रवीन्द्र अरजरिया)

चुनावी बयार के बाद सनातन विरोधियों के स्वर एक बार फिर मुखरित होने लगे हैं। तमिलनाडु विधानसभा में विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म को लेकर फिर से विवादित बयान दिया। उन्होंने फिर से सनातन धर्म को खत्म करने की बात कही है। है। इस दौरान राज्य के नए मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय उर्फ जोसेफ विजय चंद्रशेखर भी सदन में मौजूद थे जिन्होंने पूरे भाषण को ध्यान से सुना ही नहीं बल्कि अन्त में हाथ जोडकर अपनी सहमति भी जताई। विगत 2023 के 2 सितंबर को योजनाबद्ध ढंग से सनातन उन्मूलन सम्मेलन आयोजित किया गया था जिसमें द्रविड़ मुनेत्र कड़गम यानी डीएमके के नेता उदयनिधि स्टालिन ने कहा था कि कुछ चीजों का विरोध नहीं किया जा सकता, उन्हें खत्म कर देना चाहिए। हम डेंगू, मच्छर, मलेरिया या कोरोना वायरस का विरोध नहीं कर सकते हैं। हमें इन्हें खत्म करना होगा। इसी तारतम्य में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के तत्कालीन सासद ए राजा ने भी सनातन धर्म के खिलाफ जमकर जहर उगला था। ए राजा ने कहा था कि सनातन की तुलना एचआईवी और कुष्ठ रोग जैसी सामाजिक कलंक वाली बीमारियों से करनी चाहिए। इसी तरह हम सनातन धर्म का भी विरोध नहीं कर सकते, इसे खत्म करना है। उस समय आपत्तिजनक टिप्पणी से सनातन परम्पराओं को मानने वालों की भावनायें ही आहत नहीं हुई थी बल्कि सम्प्रदायगत संघर्ष की स्थितियां भी निर्मित होने लगीं थी तब विभिन्न राज्यों के उच्च न्यायालयों के 14 पूर्व न्यायाधीशों, 130 पूर्व नौकरशाहों और 118 रिटायर्ड आर्म्ड फोर्सेज ऑफिसर्स सहित देश के 262 प्रतिष्ठित नागरिकों ने सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को पत्र लिखकर तमिलनाडु सरकार में तत्कालीन मंत्री और डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन की सनातन धर्म को खत्म करने वाली टिप्पणी पर संज्ञान लेने का आग्रह किया था। उन्हीं उदयनिधि स्टालिन द्वारा अब विधानसभा में दिये गये वक्तव्य का समर्थन करते हुए सत्ताधारी तमिलगा वेट्री कजगम यानी टीवीके पार्टी के विधायक वी.एम.एस. मुस्तफा ने आग में घी का काम किया है। उल्लेखनीय है कि वंशवादी परम्परा से जन्मजात नेता बनने वाले उदयनिधि स्टालिन के पिता मुथुवेल करुणानिधि स्टालिन यानी एम.के. स्टालिन तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री रह चुके हैं। उनके भी पिता मुथुवेल करुणानिधि उर्फ एम करुणानिधि भी राज्य के मुख्यमंत्री रहे हैं। तमिलनाडु के इसाई वेल्लार समुदाय के इस परिवार ने हमेशा ही सनातन का खुला विरोध ही नहीं किया बल्कि धर्मगत युद्ध का धरातल तैयार करने में कोई कोर कसर नहीं छोडी। इतिहास गवाह है कि वसुधैव कुटुंबकम की अवधारणा के आधार पर समूची सृष्टि के प्रति सकारात्मक सोच रखने वाले सनातन धर्म की शाश्वत उपस्थिति के संकेत आदिकाल से ही मिलते रहे हैं जिसे महात्मा मूसा ने 3000 वर्ष पूर्व बाइबल ओल्ड टेस्टामेन्ट में, महात्मा जरथुस्त्र ने 2700 वर्ष पूर्व अवेस्ता में, भगवान महावीर ने 2600 वर्ष पूर्व सूत्रग्रन्थ में, महात्मा बुद्ध ने 2500 वर्ष पूर्व त्रिपिटक में, ईसा मसीह ने 2000 वर्ष पूर्व बाइबल न्यू टेस्टामेंट में, हजरत मुहम्मद साहब ने 1400 वर्ष पूर्व कुरान शरीफ में, आदिगुरु शंकराचार्य ने 1200 वर्ष पूर्व, संत कबीर साहब ने 600 वर्ष पूर्व, गुरु नानक देव ने 500 वर्ष पूर्व, स्वामी दयानन्द सरस्वती ने 200 वर्ष पूर्व तथा स्वामी परमानन्द जी ने लगभग 100 वर्ष पूर्व पुष्ट ही किया है। प्रेम, सौहार्द, अपनत्व और भाईचारा की आधारशिला पर स्थापित सनातन पर संकीर्ण मानसिकता के विभाजनाकारियों द्वारा हमेशा ही आघात किया जाता रहा है। शक्ति, सत्ता और षडयंत्रों का सहारा लेकर हमेशा से ही मीरजाफरों की जमातों ने अपने करतब दिखाने की कोशिशें की हैं। राजनैतिक खेमे ने तो हमेशा ही गिरगिट को अपना आदर्श माना है। चुनावी दौर में माला, मंत्र और मंदिरों का ढोंग रचा। जालीदार टोपी पहनकर मजारों पर चादर चढाई। सफेद पोशाक में मोमबत्ती लेकर चर्चों में गये। जातिगत देवताओं के देवालयों में माथा टेका। अभिनय की चरमसीमा पर पहुंच चुके राजनेताओं की अनेक जमातें वर्तमान के वैश्विक अशान्ति काल में भी अपने षडयंत्रों को अल्पविराम तक नहीं दे रहीं हैं। जन्मजात नेताओं के साथ-साथ सम्प्रदायगत, जातिगत, उपजातिगत, भाषागत, क्षेत्रगत नेताओं की बाढ सी आ गई है। राष्ट्रधर्म को तिलांजलि देकर ये सभी रंगे सियार विभाजनकारी षडयंत्र करने में जुटे हैं।

प्रदूषण, बाजार और बदलती आदतों के बीच पर्यावरण संकट, जिम्मेदारी सिर्फ आम लोगों की नहीं

(कुशाग्र राजेंद्र)

आज हम ऐसे दौर में हैं जहां पर्यावरणीय संकटों की फेहरिस्त लंबी होती जा रही है। मौसम का मिजाज बिगड़ रहा है। शहरों की हवा जहरीली हो चुकी है। नदियां कचरे और रासायनिक गंदगी का बोझ ढो रही हैं। कचरे के पहाड़ हमारे ही मोहल्लों की सरहद पर उग आए हैं और रोजमर्रा की जिंदगी में भी इस दबाव की आहट साफ सुनाई दे रही है। यह सब दूर के भविष्य की चेतावनी नहीं, यह अब हमारा वर्तमान है।गौर करें तो पाएंगे कि प्रकृति और संसाधन के साथ जो हमारा संबंध था, वह पूरी तरह बदल गया है। हमारी आदतें बदल गई हैं। प्रकृति के साथ हमारे रिश्ते बदलने के कई कारण हैं। विकास का वैश्विक मॉडल, आर्थिक नीतियां, बाजारवाद, वर्तमान शहर नियोजन और डिजिटल एल्गोरिद्म एक साथ मिल कर हमारी आदतें बदल रहे हैं।

मगर व्यवस्था में बदलाव को नजरअंदाज कर अच्छी आदतों के साथ पर्यावरण संरक्षण का सारा बोझ आम लोगों के कंधों पर डालने की परिपाटी है। हर व्यक्ति अपनी कुछ आदतें बदलें, तभी पर्यावरणीय संकट से निजात मिल सकती है। बत्ती बंद कीजिए, पानी बचाइए, कचरा अलग कीजिए, कपड़े सोच-समझ कर खरीदिए, कार की जगह बस और मेट्रो का इस्तेमाल कीजिए इत्यादि। जैसे लगता है कि मौजूदा संकट केवल आम लोगों की आदतों का ही परिणाम हो।

हम ऐसे समय में जी रहे हैं जहां ज्यादातर बड़े संकट जैसे प्रदूषण, वैश्विक ताप इत्यादि के मूल में पिछले कई दशकों से अपनाई गई व्यवस्था है। मगर सरलीकरण का आलम यह है कि अंगुली सबसे पहले आम लोगों की आदतों पर उठती है। जलवायु परिवर्तन से लेकर पानी, ऊर्जा और कचरे के सवाल तक, सार्वजनिक विमर्श में अक्सर यह संदेश गूंजता है कि अगर आम लोग थोड़ी 'अच्छी आदतें' अपना लें, तो हालात बदल सकते हैं। नल बंद रखिए, प्लास्टिक थैला छोड़िए, साइकिल चलाइए, ये सब जरूरी बातें हैं। मगर जब पूरा ध्यान यहीं केंद्रित हो जाता है, तो असली वजह धुंधली होने लगती है। व्यवस्थाजनित संकटों का समाधान केवल व्यक्तिगत संयम में खोजना एक तरह से जिम्मेदारी के बड़े हिस्से को अदृश्य कर देना भी है।

पानी का सवाल उठाइए, तो चर्चा अक्सर हमारे स्नानागार और रसोई से शुरू होती है। सलाह दी जाती है कि ब्रश करते समय नल न बहने दें, बाल्टी से नहाएं, पाइप से गाड़ी न धोएं। इन सबका महत्त्व कम नहीं है, लेकिन वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर जल-उपयोग का सबसे बड़ा हिस्सा खेती, उद्योग और शहरी आपूर्ति व्यवस्था में खपता है, जबकि घरेलू उपयोग उसका छोटा अंश है। खेतों तक जाने वाली नहरों में यदि जगह-जगह रिसाव हों, शहरों की पाइपलाइनें वर्षों से मरम्मत के बिना पानी बहाती रहें और उद्योग अपना गंदा पानी बिना शोधन के नदियों में छोड़ते रहें, तो अकेले घरों का अनुशासन कुल तस्वीर को कितना ही बदल पाएगा।

फिर भी जागरूकता अभियानों में दिखाई देता है- टपकता नल और ब्रश करता बच्चा, न कि रिसाव वाली नहर या अंधेरे में चुपचाप नदी की ओर बहता फैक्टरी का नाला।

ऊर्जा मामले में भी यही कहानी दोहराई जाती है। सवाल है कि ऊर्जा-उपभोग और उत्सर्जन की सबसे बड़ी मांग कहां से आ रही है। भारी उद्योग, सीमेंट, इस्पात और रसायन उद्योग, डेटा सेंटर, विमानन तथा मालवाहक जहाज, ये सारे क्षेत्र मिल कर ऊर्जा की बहुत बड़ी हिस्सेदारी निगलते हैं, जबकि घरेलू स्तर की बचत का दायरा संरचनात्मक सहयोग के बिना सीमित रह जाता है।

उपभोग के मोर्चे पर हम सब एक खालिस उपभोक्ता बनते जा रहे हैं। बाजार व्यवस्था की भूमिका सबसे महत्त्वपूर्ण है। बाजार में उपलब्ध अधिकतर उत्पाद इस तरह डिजाइन किए जाते हैं कि उनकी उम्र सीमित रहे। मरम्मत कठिन या महंगी हो और उपभोक्ता कुछ ही वर्षों में नया सामान लेने को प्रेरित हो जाए। मोबाइल फोन और टीवी से लेकर घरेलू उपकरणों तक यह प्रवृत्ति अब औद्योगिक मॉडल का हिस्सा बन चुकी है।

उपभोक्ताओं से कहा जाता है कि कम खरीदिए, सोच-समझ कर खरीदिए, लेकिन जब दुकान में टिकाऊ और मरम्मत-योग्य विकल्प लगभग नदारद हों तथा सस्ते वही सामान हों जो जल्दी टूटने के लिए बनाए गए हों, तो जिम्मेदार उपभोग की नैतिकता भी अपने आप में अधूरी हो जाती है।

'इस्तेमाल करो और फेंको' की व्यवस्था ने हमारी प्रकृति सम्मत आदतों की जमीन ही बदल दी। बोतलबंद पानी से लेकर सुविधाजनक पैकेजिंग और तेज वितरण ने जीवन को निस्संदेह आसान बनाया, पर बदले में प्लास्टिक, थर्मोकोल और ई-कचरे के पहाड़ खड़े कर दिए। ऑनलाइन बाजारों ने एक कदम और आगे बढ़ कर प्रचार-रणनीतियों से हमारी इच्छाओं का नक्शा तक अपने हाथों में ले लिया है। 'केवल आज की विशेष छूट' और 'बस दो पीस बचे हैं' जैसी तरकीबें यह सुनिश्चित करती हैं कि जरूरत और चाहत के बीच की रेखा लगातार धुंधली होती जाए।

नए शहरों के नियोजन में भी इसी तरह का विरोधाभास दिखाई देता है। सार्वजनिक अपील यह होती है कि लोग निजी वाहन कम चलाएं, बस और मेट्रो का उपयोग करें। आसपास जाने के लिए साइकिल चलाएं और पैदल चलें। मगर जैसे-जैसे शहरों का विस्तार हुआ है, नई आबादी ज्यादातर उन इलाकों में बसाई गई है जहां न भरोसेमंद बस सेवा है, न मेट्रो और न साइकिल पथ। ऐसी स्थिति में निजी वाहन विकल्प नहीं, मजबूरी बन जाता है।

आर्थिक रूप से सक्षम वर्ग इस मजबूरी को कार और दोपहिया से संभाल लेता है। जो नहीं संभाल पाते वे रोजमर्रा की यात्रा में समय और सुरक्षा दोनों की ऊंची कीमत चुकाते हैं। बाद में यही लोग भीड़ और प्रदूषण बढ़ाने वाले नागरिकों की श्रेणी में रख दिए जाते हैं, जबकि शहर की मौलिक योजना और परिवहन नीति पर सवाल अपेक्षाकृत कम ही उठते हैं।

डिजिटल दौर में 'फुटप्रिंट' की भाषा, चाहे वह कार्बन की हो या डेटा की, तेजी से लोकप्रिय हुई है। ऐप बताने लगते हैं कि आपकी हर उड़ान, हर भोजन, हर खरीदारी से कितनी अतिरिक्त मात्रा में उत्सर्जन जुड़ रहा है। यह जानकारी उपयोगी है, क्योंकि वह हमारी रोजमर्रा की आदतों को देखने की एक नई दृष्टि देती है, लेकिन जब पूरा नैतिक दायरा केवल व्यक्ति तक सिमट जाता है, तो उत्पादन प्रणालियों, ऊर्जा स्रोतों, व्यापार नियमों और नियामक ढांचों की भूमिका छिप जाती है। सामने दिखता रहता है- केवल गैर-जिम्मेदार उपभोक्ता।

यह कहना बिल्कुल उचित नहीं होगा कि व्यक्ति की जिम्मेदारी शून्य है। हर किसी के पास कुछ न कुछ विकल्प होते हैं और हमें अपने हिस्से की जिम्मेदारी से मुंह नहीं मोड़ना चाहिए। निजी जीवन में संयम, संसाधनों का सम्मान, पुनः उपयोग, मरम्मत और साझा उपयोग जैसी आदतें न केवल प्रतीकात्मक हैं, बल्कि व्यावहारिक भी हैं।

संकट मौजूदा आर्थिक व्यवस्था और विकास के प्रारूप के हैं, तो समाधान भी व्यवस्था के स्तर पर ही निकलेंगे, हालांकि उनकी शुरुआत व्यक्ति से होकर ही गुजरती है। जरूरत उस संतुलित दृष्टि की है जिसमें हम न तो सारी उम्मीद 'ऊपर की शक्तियों' पर छोड़ दें, न ही पूरा नैतिक बोझ केवल आम नागरिकों पर डाल दें।

जब व्यक्तिगत नैतिकता और व्यवस्थागत बदलाव एक-दूसरे के पूरक की तरह देखे जाएं, तभी यह उम्मीद की जा सकती है कि हमारी सामूहिक शक्ति सचमुच उस दिशा में काम करेगी जहां पृथ्वी, समाज और भविष्य, तीनों के हित एक साथ बचाए जा सकें। (यह लेखक के अपने विचार है)

मृदा स्वास्थ्य कार्ड से बदली किसानों की सोच, कटेकल्याण के किसानों ने अपनाई संतुलित खेती की राह

सुशासन तिहार में किसानों को मिली नई दिशा, मृदा स्वास्थ्य कार्ड से मजबूत हो रही खेती

दंतेवाड़ा । सुशासन तिहार के अंतर्गत विकासखंड कटेकल्याण में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर किसानों के लिए जागरूकता और नई उम्मीद लेकर आया। शिविर में पहुंचे किसान लखमा, मासे, मंगू एवं अन्य ग्रामीण किसानों ने कृषि विभाग द्वारा दी जा रही मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना की जानकारी प्राप्त की और इसे खेती के लिए बेहद उपयोगी बताया। विदित हो कि कृषि विभाग द्वारा किसानों को स्वस्थ मिट्टी और बेहतर उत्पादन के उद्देश्य से लगातार मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए जा रहे हैं।

इस कार्ड के माध्यम से किसानों को अपनी भूमि की वास्तविक स्थिति की जानकारी मिल रही है, जिससे वे आवश्यकता अनुसार संतुलित मात्रा में उर्वरकों का उपयोग कर पा रहे हैं। शिविर में कृषि अधिकारियों ने किसानों को बताया कि मृदा परीक्षण के दौरान मिट्टी में नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश, सल्फर, जैविक कार्बन, पीएच मान तथा सूक्ष्म पोषक तत्वों की जांच की जाती है। परीक्षण रिपोर्ट के आधार पर फसलवार उर्वरक उपयोग की अनुशंसा दी जाती है, जिससे खेती की लागत कम होने के साथ-साथ उत्पादन में भी वृद्धि होती है। इस दौरान किसानों को जैविक खेती के महत्व जैसे गोबर खाद, वर्मी कम्पोस्ट, नाडेप खाद, जीवामृत, घनजीवामृत एवं हरी खाद के उपयोग से मिट्टी में जैविक कार्बन में बढ़ोत्तरी और भूमि की उर्वरा शक्ति, मिट्टी की जलधारण क्षमता एवं सूक्ष्म जीवों की सक्रियता में भी वृद्धि होती है।

शिविर में किसान लखमा, मासे और मंगू ने बताया कि मृदा स्वास्थ्य कार्ड बनने से अब उन्हें अपनी जमीन की सही जानकारी मिल रही है। पहले बिना जानकारी के अधिक मात्रा में खाद का उपयोग करते थे, लेकिन अब संतुलित उर्वरक उपयोग से लागत कम हो रही है और फसलों की पैदावार में भी सुधार दिखाई दे रहा है। किसानों ने कहा कि यह योजना उनके लिए लाभकारी साबित हो रही है और इससे खेती के प्रति उनका विश्वास और भी बढ़ा रहा है।

दंतेवाड़ा में आधुनिक मोबाइल फोरेंसिक वैन का शुभारंभ

अब घटनास्थल पर ही जुटेंगे वैज्ञानिक साक्ष्य, जांच और न्याय प्रक्रिया को मिलेगी गति

दंतेवाड़ा । जिले में अपराधों की वैज्ञानिक जांच को मजबूत बनाने की दिशा में शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए आधुनिक मोबाइल फॉरेंसिक वैन का शुभारंभ किया गया। यह वैन घटनास्थल पर त्वरित पहुंचकर वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य संकलन करने में सहायक होगी, जिससे जांच और न्याय प्रक्रिया में तेजी आएगी। मोबाइल फॉरेंसिक वैन का शुभारंभ दंतेवाड़ा विधायक चैतराम अटामी एवं नगर पालिका अध्यक्ष पायल गुप्ता ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक गौरव राय, एफएसएल जगदलपुर की संयुक्त संचालक अनुपमा मेश्राम एवं डीपीओ रजनीश टेकाम भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बताया कि यह आधुनिक फॉरेंसिक वैन जिले में होने वाले विभिन्न अपराधों एवं घटनाओं के दौरान मौके पर ही वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसके माध्यम से पुलिस को घटनास्थल की तत्काल जांच, साक्ष्यों के संरक्षण और कानूनी प्रक्रिया में तेजी लाने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम में मौजूद जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने कहा कि भारत सरकार द्वारा लागू किए गए नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन में यह मोबाइल फॉरेंसिक सेवा महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान करेगी। इससे जांच प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और तकनीकी रूप से मजबूत होगी। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकुमार बर्मन, वैज्ञानिक अधिकारी वसीम अकरम, मिनल साहू, एसडीओपी राहुल उइके, नसरूल्ला सिद्धकी, रक्षित निरीक्षक सुशील नौटियाल, थाना कोतवाली प्रभारी धनंजय सिन्हा सहित पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

विकास के नाम पर 'कमीशनखोरी' का खेल

जिले के दुर्गूकोंदल और भानुप्रतापपुर में डीएमएफ के कार्यों में भारी भ्रष्टाचार, सफेदपोश नेताओं के चहेते ठेकेदार मार रहे डाका

भानुप्रतापपुर। जिले के दुर्गूकोंदल और भानुप्रतापपुर विकासखंड में जिला खनिज न्यास संस्थान मद से होने वाले विकास कार्यों में भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी का एक बड़ा खेल सामने आ रहा है। गांवों के विकास के लिए स्वीकृत की जाने वाली लाखों-करोड़ों की राशि का एक बड़ा हिस्सा धरातल पर लगने के बजाय अफसरों, जनप्रतिनिधियों और ठेकेदारों की जेबों में जा रहा है। स्थिति यह है कि गांवों में होने वाले अधिकांश निर्माण कार्यों पर 'सफेदपोश नेताओं' के संरक्षण में काम कर रहे ठेकेदारों का कब्जा है, जिसके कारण निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पूरी तरह भगवान भरोसे है।स्वीकृत राशि का लगभग 15 प्रतिशत हिस्सा जिला स्तर पर ही कमीशन के रूप में कट जाता है। इसके बाद 6 प्रतिशत जनपद पंचायत और 5 प्रतिशत ग्रामीण अभियांत्रिकी सेवा के तकनीकी अधिकारियों की भेंट चढ़ जाता है। स्थानीय स्तर पर मामले को दबाए रखने और कागजी खानापूर्ति के लिए 5% हिस्सा ग्राम पंचायत के खाते में जाता है। इस पूरे बंदरबांट के बाद लगभग 50% राशि ही वास्तव में निर्माण कार्य पर खर्च हो पाती है। बाकी बची भारी-भरकम राशि सीधे ठेकेदार की जेब में शुद्ध मुनाफे के रूप में चली जाती है। कमीशनखोरी के इस मकड़जाल का सीधा असर निर्माण कार्यों की क्वालिटी पर पड़ रहा है। दुर्गूकोंदल और भानुप्रतापपुर के ग्रामीण अंचलों में बनाए जा रहे शेड निर्माण, बाउंड्री वॉल और अन्य सामुदायिक भवनों में घटिया निर्माण सामग्री का धड़ल्ले से उपयोग किया जा रहा है। सीमेंट की मात्रा कम होने और तकनीकी मापदंडों की अनदेखी के कारण कई नवनिर्मित संरचनाएं उद्घाटन से पहले ही जर्जर दिखने लगी हैं।

20 लाख का शेड, लागत सिर्फ 10 लाख! समझिए कमीशन का पूरा गणित

ग्रामीणों और सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, निर्माण कार्यों में कमीशन का एक ऐसा बंधी-बंधाई चेन (सिस्टम) काम कर रहा है, जो विकास को दीमक की तरह चाट रहा है। उदाहरण के तौर पर अगर किसी गांव में 20 लाख रुपये की लागत से 'टीन शेड निर्माण' की स्वीकृति मिलती है, तो उसका पूरा गणित कुछ इस तरह सिमट कर रह जाता है।

ग्रामीणों की मांग: विकास जरूरी है, लेकिन भ्रष्टाचार की कीमत पर नहीं

इस मामले को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों का साफ कहना है कि हमें हमारे गांवों में विकास कार्य चाहिए, शेड और अहाता भी जरूरी है। लेकिन विकास के नाम पर इस तरह की लूट और भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जनता के हक के पैसे से नेताओं और ठेकेदारों की जेबें भरना बंद होनी चाहिए। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और उच्च अधिकारियों से मांग की है कि दुर्गूकोंदल और भानुप्रतापपुर विकासखंडों में पिछले कुछ समय में डीएमएफमद से स्वीकृत हुए सभी कार्यों की उच्च स्तरीय तकनीकी जांच कराई जाए और दोषी ठेकेदारों व अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

सफेदपोश नेताओं के 'खास' चला रहे हैं ठेकेदारी

क्षेत्र में चर्चा है कि इन दोनों विकासखंडों में अधिकांश ठेकेदारी उन लोगों के हाथों में है, जो सीधे तौर पर राजनीतिक रसूख रखते हैं या फिर बड़े सफेदपोश नेताओं के चहेते और मददगार हैं। राजनीतिक संरक्षण प्राप्त होने के कारण स्थानीय स्तर पर इन ठेकेदारों के खिलाफआवाज उठाने की हिम्मत कोई नहीं कर पाता। यदि कोई ग्रामीण विरोध करता भी है, तो उसकी आवाज को दबा दिया जाता है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में सजे 58 जोड़े डिप्टी सीएम अरुण साव ने दिया आशीर्वाद

केशकाल। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव आज केशकाल क्षेत्र के दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सर्वप्रथम तेलिन सती माता मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद वे साहू समाज द्वारा आयोजित तेलिन सती महोत्सव में शामिल हुए। महोत्सव के दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में शामिल होकर 58 नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद भी दिया। डिप्टी सीएम ने केशकाल शहर के चौड़ीकरण और पर्यटन स्थलों के विकास हेतु जल्द ही बड़ी सौगात देने की बात कही है। मीडिया से चर्चा करते हुए उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि सामूहिक विवाह जैसे आयोजन सामाजिक समरसता और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं। प्रदेश सरकार समाज के हर वर्ग के विकास और सामाजिक परंपराओं के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने ऐसे आयोजनों को समाज को एकजुट करने वाला बताते हुए कहा कि हमारी संस्कृति और परंपराएं ही समाज की असली पहचान हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में साहू समाज के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

इस दौरान मुख्य रूप से वन मंत्री केदार कश्यप, सांसद भोजराज नाग, सांसद महेश कश्यप, विधायक नीलकंठ टेकाम, विधायक आशाराम नेताम, विधायक संदीप साहू, साहू समाज के प्रदेश अध्यक्ष नीरेंद्र साहू, कलेक्टर नुपुर राशि पन्ना, एसपी पंकज चंद्रा सहित समाज के अन्य पदाधिकारी व बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

अटल के सम्मान पर चढ़ी लापरवाही की धूल लाखों खर्च के बाद भी नहीं सुधरी व्यवस्था

केशकाल। नगर पंचायत केशकाल की कार्यशैली एक बार फिर गंभीर सवालों के घेरे में आ गई है। पुराने बस स्टैंड के बीचों-बीच लाखों रुपये खर्च कर बनाए गए अटल परिसर की वर्तमान स्थिति नगर पंचायत की लापरवाही, उदासीनता और बदइंतजामी की पोल खोल रही है। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी के सम्मान में निर्मित यह परिसर आज बदहाली, गंदगी और अव्यवस्था का शिकार होकर अपनी दुर्दशा बयां कर रहा है। जिस स्थान को नगर की पहचान के लिए विकसित किया गया था, वही आज कचरे, धूल और उगी हुई झाड़ियों से पट चुका है। यह केवल एक परिसर की बदहाली नहीं, बल्कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न के सम्मान की अनदेखी भी है।

परिसर में उगने लगे हैं खरपतवार: स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर पंचायत द्वारा इस निर्माण कार्य पर लगभग 20 लाख रुपये खर्च किए गए, लेकिन रखरखाव के अभाव में पूरा परिसर धीरे-धीरे बदहाल होता जा रहा है। परिसर में फैली गंदगी और चारों ओर उगे खरपतवार साफ दर्शाते हैं कि लंबे समय से यहां नियमित साफ-सफाई तक नहीं कराई गई है। नगर पंचायत केवल निर्माण कार्यों के उद्घाटन और प्रचार तक सीमित रह गई है, जबकि उनके रखरखाव और जनसुविधाओं की ओर कोई गंभीर ध्यान नहीं दिया जा रहा।

सभी जनप्रतिनिधि भाजपा के, फिर भी ये स्थिति

सबसे अहम बात यह है कि वर्तमान में छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार है। नगर पंचायत अध्यक्ष भाजपा के हैं, क्षेत्रीय विधायक भाजपा के हैं, सांसद भाजपा के हैं, मुख्यमंत्री भाजपा के हैं और देश के प्रधानमंत्री भी भाजपा के हैं। इसके बावजूद भारतीय जनता पार्टी के ही पूर्व प्रधानमंत्री भारत र स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा और उनके नाम पर बने परिसर की ऐसी बदहाल स्थिति कई गंभीर सवाल खड़े कर रही है।

क्या इस लापरवाही की जवाबदेही तय होगी

अब शासन-प्रशासन को चाहिए कि इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल साफ-सफाई और रखरखाव की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही इस लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों की जवाबदेही भी तय की जाए, ताकि सार्वजनिक धन से बनाए गए इस परिसर की गरिमा और सम्मान बरकरार रह सके।

प्रधानमंत्री के सम्मान के साथ समझौता क्यों

यह अटल परिसर शहर के बीचों-बीच स्थित है, ऐसे में प्रतिदिन हजारों लोग इसी मार्ग से आवागमन करते हुए इस बदहाल परिसर को देख रहे हैं। इससे न केवल स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी के सम्मान को ठेस पहुंच रही है, बल्कि केशकाल नगर पंचायत की छवि भी लगातार धूमिल हो रही है। हैरानी की बात यह भी है कि अटल परिसर को बने अभी कुछ ही महीने हुए हैं और इतनी कम अवधि में ही इसकी स्थिति बदहाल नजर आने लगी है। ऐसे में आने वाले समय में इस परिसर की हालत क्या होगी, इसे लेकर भी लोगों में चिंता और नाराजगी साफदिखाई दे रही है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव प्रथम तेलीन सत्ती माता महोत्सव में हुए शामिल

केशकाल। उप मुख्यमंत्री अरुण साव कोण्डागांव जिले के केशकाल में साहू संघ बस्तर संभाग द्वारा आयोजित प्रथम तेलीन सत्ती माता महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में वन मंत्री केदार कश्यप, सांसद महेश कश्यप और भोजराज, विधायक नीलकंठ टेकाम और आशाराम नेताम सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं समाज के प्रमुखजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री साव ने तेलीन सत्ती माता को नमन करते हुए महोत्सव के प्रथम आयोजन पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि केशकाल घाटी से गुजरने वाले यात्री तेलीन सत्ती माता का आशीर्वाद लेकर अपनी यात्रा प्रारंभ करते हैं, जिससे उनकी यात्रा सफल और मंगलमय होती है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में यह महोत्सव और अधिक भव्य स्वरूप में आयोजित होगा तथा सभी के सहयोग से इसका गौरव लगातार बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समाज के गौरव हैं और उनके नेतृत्व में गांव, गरीब एवं किसानों के कल्याण के लिए अनेक जनहितकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि साहू समाज अन्य समाजों के साथ मिलकर छत्तीसगढ़ महतारी के गौरव को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि बस्तर सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है। यहां मां दंतेश्वरी की आराधना के लिए देशभर से लोग एकत्रित होते हैं। उन्होंने समाज के लोगों से एकजुट रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में बस्तर निरंतर विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

राहुल गांधी का बयान उनकी हताशा और संकुचित मानसिकता को स्पष्ट रूप से उजागर करता है – राहुल असरानी

भाजयुमो ने अमर्यादित टिपण्णी करने पर राहुल गाँधी व दीपक बैज के विरुद्ध विरोध प्रदर्शन कर पुतला दहन किया

भाजयुमो जिलाध्यक्ष राहुल असरानी ने कहा - लगातार चुनावी पराजय के कारण कांग्रेस नेता की भाषा और व्यवहार में हताशा झलक रही है

दंतेवाड़ा । भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा के आह्वान पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी व दीपक बैज के बयान की कड़ी आलोचना करते हुए भाजयुमो दंतेवाड़ा ने विरोध प्रदर्शन कर पुतला दहन किया 7 भाजयुमो प्रदेश महामंत्री कुणाल ठाकुर ने इसे 'दुर्भाग्यपूर्ण' और 'अराजक मानसिकता' का परिचायक बताया है। उन्होंने कहा कि भारतीय राजनीति में मर्यादा, औचित्य और सामाजिक सद्भाव अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, लेकिन राहुल गांधी का हालिया बयान इन मूल्यों के विपरीत है। लगातार चुनावी पराजय के कारण कांग्रेस नेता की भाषा और व्यवहार में हताशा झलक रही है। विधायक चैतराम अटामी ने कहा कि क्या नक्सलवाद का उन्मूलन, देश की सीमाओं की रक्षा और तिरंगे की वैश्विक प्रतिष्ठा बढ़ाना देशद्रोह की श्रेणी में आता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लंबे समय से सत्ता से दूर रहने की निराशा ने कांग्रेस पार्टी को लोकतांत्रिक मर्यादाओं की सीमाएं लांघने पर विवश कर दिया है। जिस कुशल एवं दृढ़ नेतृत्व ने आतंकवाद व नक्सलवाद जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना करते हुए देश की सुरक्षा को अभूतपूर्व मजबूती प्रदान की और भारत को विश्व मंच पर एक सम्मानित, सशक्त एवं निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित किया, उसी लोकतांत्रिक रूप से चुने गए शीर्ष नेतृत्व के विरुद्ध ऐसी घृणित टिप्पणी न केवल अत्यंत निंदनीय है, बल्कि 140 करोड भारतीयों की भावनाओं का सीधा अपमान भी है। भाजपा युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष दंतेवाड़ा राहुल असरानी ने कहा की कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी एवं माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी के प्रति की गई अमर्यादित एवं अशोभनीय टिप्पणी न केवल निंदनीय है, बल्कि यह लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक मर्यादाओं का भी घोर अपमान है।

जिस पद की गरिमा और जिम्मेदारी का निर्वहन नेता प्रतिपक्ष को करना चाहिए, उसी पद की मर्यादा को राहुल गांधी ने अपनी असभ्य एवं अलोकतांत्रिक भाषा से तार-तार करने का काम किया है। देश की जनता ऐसे अहंकारी, गैरजिम्मेदार और स्तरहीन राजनीतिक आचरण को कभी स्वीकार नहीं करेगी। इस दौरान भारी संख्या में समस्त भाजपा एवं मोर्चा के पदाधिकारी व कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे ।

संक्षिप्त समाचार

जिला गौरेला पेंड्रा मरवाही में मदद मिनार फाउंडेशन एवं एनएफआई के संयुक्त प्रयास से कार्यालय का हुआ भव्य उद्घाटन

गौरेला। आज गौरेला में मदद मिनार फाउंडेशन एवं एनएफआई के संयुक्त प्रयास से नए कार्यालय का भव्य उद्घाटन संपन्न हुआ। इस अवसर पर जिले की डिप्टी कलेक्टर सुश्री निकिता मरकाम एवं डिप्टी कलेक्टर श्रीमती आकांक्षा पांडेय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में अतिथियों ने संस्था द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि समाज में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने एवं जागरूकता फैलाने के लिए इस प्रकार के प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं। संस्था के प्रतिनिधियों ने बताया कि मदद मिनार फाउंडेशन का मुख्य उद्देश्य महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, नेतृत्व विकास एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के कमजोर वर्गों को सशक्त बनाना है। संस्था भविष्य में युवाओं एवं महिलाओं के लिए विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण एवं सामाजिक कार्यक्रमो को संचालित करेगी व स्वरोजगार/ रोज़गार का अवसर प्रदान करेगी । इस अवसर पर संस्था के डायरेक्टर श्री इरशाद कुरैशी, सचिव धीरज सिंह, श्री विजय कोरी, ऋभ रैदास एवं दीपक यादव सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ से होकर गुजरने वाली कई ट्रेनें रद्द, यात्रियों की बढ़ी परेशानी

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (एसई सीआर) के नागपुर मंडल अंतर्गत गोंदिया रेलवे स्टेशन यार्ड में अपग्रेडेशन कार्य के चलते कई ट्रेनों का परिचालन प्रभावित रहेगा। रेलवे प्रशासन द्वारा विशेष ब्लॉक लिए जाने के कारण 21 और 22 मई को कई ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं।रेलवे अधिकारियों के अनुसार, गोंदिया स्टेशन यार्ड में तकनीकी उन्नयन और इंफ्रास्ट्रक्चर सुधार का कार्य किया जा रहा है। यात्रियों की सुरक्षा और रेल संचालन व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है।रेलवे प्रशासन ने बताया कि इस दौरान कुल 7 ट्रेनों का परिचालन अस्थायी रूप से रद्द रहेगा। हालांकि, प्रभावित ट्रेनों की विस्तृत सूची रेलवे द्वारा जारी की जाएगी।रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा पर निकलने से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति की जानकारी जरूर जांच लें, ताकि उन्हें असुविधा का सामना न करना पड़े। यात्रियों को रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट, हेल्पलाइन नंबर और स्टेशन सूचना केंद्रों से लगातार अपडेट लेते रहने की सलाह दी गई है।रेलवे अधिकारियों का कहना है कि अपग्रेडेशन कार्य पूरा होने के बाद ट्रेनों के संचालन में सुधार होगा और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं

शराबी बेटे को मौत के घाट उतारा, फिर जहर पिलाकर आत्महत्या दिखाने रची खौफनाक साजिश

बिलासपुर। बिलासपुर के बेलगहना इलाके में एक परिवार ने हत्या को आत्महत्या साबित करने के लिए ऐसी खौफनाक साजिश रची कि पुलिस भी शुरुआती जांच में चौंक गई, लेकिन फॉरेंसिक जांच और बारीक पड़ताल ने पूरे खेल का पर्दाफाश कर दिया। अपने ही बेटे की हत्या कर उसे जहर खाकर आत्महत्या बताने वाले पिता, भाई और एक विधि से संघर्षरत बालक को बेलगहना पुलिस ने चंद घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया। मामला ग्राम रतखण्डी का है, जहां 20 मई 2026 को उमेन्द सिंह पटेल ने चौकी बेलगहना पहुंचकर सूचना दी कि उसका 23 वर्षीय बेटा गौरीशंकर पटेल जहरीला पदार्थ खाकर मर गया है और मौके पर जहर की शीशी भी पड़ी हुई है। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की, लेकिन शव और घटनास्थल की परिस्थितियों ने पुलिस को हत्या का शक दिला दिया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया। जांच में मृतक के शरीर पर चोट के निशान मिले और घटनास्थल से अन्य वैज्ञानिक साक्ष्य भी बरामद हुए। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच तेज कर दी। पूछताछ में सामने आया कि मृतक गौरीशंकर शराब पीकर आए दिन घर में झगड़ा करता था। घटना वाली रात भी वह अत्यधिक शराब के नशे में मारपीट पर उतारू था।

सुशासन तिहार

शिविर में मांगो-शिकायतों की समाधान के साथ ही बड़ी संख्या में हितग्राहियों को किया गया लाभान्वित

- सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के साथ काम कर रही है सरकार: विधायक
- गलत प्रस्ताव पारित करने वाले सरपंच-सचिव के खिलाफतत्काल कार्रवाई करने कलेक्टर ने दिए निर्देश

गौरेला पेंड्रा मरवाही। जनमानस की विभिन्न मांगो एवं शिकायतों का समाधान करने और जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी तथा हितग्राही मूलक योजनाओं से लाभान्वित करने के उददेश्य से आयोजित हो रहे सुशासन तिहार के अंतर्गत आज मरवाही विकासखण्ड के खंता पंचायत के ग्राम सपनी में जन समस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 18 ग्राम पंचायतों-बगड़ी, बंधौरी, बरवासन, भस्कुरा, दर्री, धनपुर, डोंगरिया, गुदुमदेवरी, गुम्माटोला, खंता, कोटखर्रा, लटकोनीखुर्द, महोरा, मझगंवा, मसुरीखार, मेंदुका, पड़खुरी एवं पिपरिया पंचायत के ग्रामीणजन उपस्थित हो कर शिविर का लाभ उठाया। शिविर में विभिन्न राजस्व मामलों के साथ ही आवास, शौचालय, डबरी निर्माण, सीसी रोड, पशु शेड, राशन कार्ड सहित विभिन्न मांगों एवं शिकायतों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। विधायक श्री प्रणव कुमार मरपची, कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन, जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री समोरा पैकरा एवं उपाध्यक्ष राजा उपेंद्र बहादुर सिंह सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों के समक्ष विभागवार प्राप्त

आवेदनों एवं निराकरण की स्थिति से आवेदकों को अवगत कराया गया। विधायक ने ग्रामीणों की मांग पर ग्राम बंधौरी के वार्ड नंबर 10, ग्राम भस्कुरा मरघट के पास एवं ग्राम दर्री में स्कूल पारा में एक सप्ताह के भीतर नया हैन्ड पंप स्थापित करने के निर्देश कार्यपालन अभियंता पीएचई विभाग को दिए। विधायक श्री मरपची ने कहा कि ग्रामीणों की सुविधा के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा पूरे प्रदेश में सुशासन तिहार के अंतर्गत जन समस्या निवारण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री स्वयं शिविरों में पहुचकर जनमानस की मांगो एवं शिकायतों का समाधान कर रहे हैं। केन्द्र और राज्य में संवेदनशील सरकार द्वारा सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास के साथ आगे बढ़ रही है। सरकार द्वारा किसानों, महिलाओं, बच्चों सहित समाज के सभी वर्गों की खुशहाली और बेहतरी के लिए अनेक योजनाएं लागू कर जमीनी स्तर पर क्रियान्वित किया जा रहा है।कलेक्टर ने मंच से कुछ आवेदकों के नाम पुकार कर उनके द्वारा की गई मांगों के समाधान से अवगत कराया। उन्होंने ग्राम पंचायत मगुरदा के आवेदकों द्वारा जिन्दा व्यक्ति को मृत बताकर फौती नामांतरण से संबंधित शिकायत के संबंध में कहा कि यह आवेदन एक साल पुराना है। तहसील कार्यालय के आदेश से संतुष्ट नहीं होने पर एसडीएम कार्यालय में अपील कर सकते हैं।

बिलासपुर मंडल में चलाई जा रही है नाका टिकट चेकिंग अभियान

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल द्वारा टिकटधारी यात्रियों को बेहतर, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने, यात्रियों में वैध टिकट लेकर यात्रा करने के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से दिनांक 21 मई से 14 जून 2026 तक विशेष नाका टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत दिनांक 21 मई 2026 को वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह के मार्गदर्शन एवं मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री एस. भारतीयन के नेतृत्व में मंडल के बिलासपुर स्टेशन में विशेष नाका टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। जिसमें वाणिज्य निरीक्षक, मुख्य टिकट निरीक्षक, टीटीई एवं आरपीएफ स्टाफ भी शामिल थे। इस विशेष जांच

अभियान के दौरान बिलासपुर स्टेशन एवं वहाँ से गुजरने वाली 25 ट्रेनों की सघन जांच कर कुल 768 मामलों से कुल 4,97,355 रुपये का जुर्माना वसूला गया। जिसमें बिना टिकट यात्रा के 487 मामलों से 03 लाख 62 हजार 95 रुपये, अनियमित टिकट के 259 मामलों से 1 लाख 33 हजार 60 रुपये, बिना बुक किए गए लगेज के 21 मामलों से 2 हजार 100 रुपये, गंदगी फैलाने के 01 मामले से 100 रुपये जुर्माना शामिल है वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह ने बताया कि रेलवे प्रशासन यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं व्यवस्थित यात्रा वातावरण उपलब्ध कराने हेतु समय-समय पर इस प्रकार के विशेष टिकट जांच अभियान संचालित करता रहेगा। रेल प्रशासन यात्रियों से अपील करता है कि वे यात्रा प्रारंभ करने से पूर्व उचित यात्रा टिकट अवश्य लें तथा स्टेशन परिसर में प्रवेश हेतु प्लेटफॉर्म टिकट खरीदें।

विश्व पर्यावरण दिवस अभियान-के अंतर्गत जारी है स्वच्छता एवं जागरूकता अभियान

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस अभियान-2026 (15 मई से 5 जून 2026) के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 20 से 22 मई 2026 तक मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर Cleanliness at Railway Stations & Surrounding Areas विषय पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय, फुटओवर ब्रिज, पार्किंग एवं आसपास के क्षेत्रों में व्यापक साफ-सफाई सुनिश्चित की गई। बिलासपुर, उसलापुर, रायगढ़ एवं कोरबा स्टेशनों पर वाणिज्य, चिकित्सा एवं यांत्रिक विभागों तथा विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से यात्रियों एवं आमजन को स्वच्छता, कचरा

पृथक्करण एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही स्टेशन परिसर, कैटरिंग यूनिट्स एवं खान-पान स्टालों में single-use plastic के उपयोग को कम करने तथा eco-friendly कटलरी अपनाने हेतु विशेष अभियान चलाया गया। यात्रियों, वेंडर्स एवं कर्मचारियों को पेपर कप, लकड़ी के चम्मच, अरेका प्लेट एवं पुन: उपयोग योग्य सामग्री के उपयोग के लिए प्रेरित किया गया। स्टेशनों पर पोस्टर, बैनर एवं जनसंदेशों के माध्यम से प्लास्टिक मुक्त रेलवे परिसर बनाने का संदेश दिया गया। इसके अलावा कर्मचारियों को अपशिष्ट पृथक्करण एवं स्वच्छता प्रबंधन से संबंधित प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह ने कहा कि यह अभियान स्वच्छ रेलवे हरित रेलवे की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है तथा यात्रियों एवं आमजन से इसमें सक्रिय सहभागिता की अपील की।

पति की मौत का सदमा नहीं सह सकी पत्नी, चार दिन बाद फांसी लगाकर दी जान

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ की न्यायधानी बिलासपुर में एक मार्मिक घटना सामने आई है, जहां पति की आकस्मिक मौत के सदमे से उबर नहीं सकी पत्नी ने आत्महत्या कर ली। महिला का शव उसके घर में फांसी के फंदे पर लटका मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना पचपेड़ी थाना क्षेत्र के गोपालपुर गांव की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गोपालपुर निवासी रामनारायण केंवट का विवाह लगभग चार वर्ष पूर्व सुनीता बाई केंवट से हुआ था। बीते 17 मई को रामनारायण घर में टुल्लू पंप चालू करने के दौरान करंट की चपेट में आ गए थे, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी। इस घटना के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। परिजनों के मुताबिक पति की असामयिक मौत के बाद सुनीता गहरे मानसिक आघात में थीं। वह अधिकांश समय चुप रहती थीं और किसी से ज्यादा बातचीत भी नहीं कर रही थीं। मंगलवार देर रात उन्होंने घर के कमरे में सीलिंग फैन से साड़ी का फंदा बनाकर आत्मघाती कदम उठा लिया। परिजनों ने जब उन्हें फंदे पर लटका देखा तो तत्काल नीचे उतारकर बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पचपेड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। गांव में कुछ ही दिनों के भीतर पति-पत्नी दोनों की मौत से शोक का माहौल है।

कौशल विकास केंद्र, कोनी में सीपीआर कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) प्रशिक्षण सत्र का आयोजन

बिलासपुर। आज दिनांक 22 मई 2026 को कौशल विकास केंद्र, कोनी (बिलासपुर) में सीपीआर (हृदय – कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। यह कौशल विकास केंद्र अम्बुजा फाउंडेशन एवं एचडीएफसी बैंक परिवर्तन के तत्वावधान में वर्ष 2022 से संचालित किया जा रहा है। प्रशिक्षण सत्र में वर्तमान बैच के कुल 72 छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की । इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को आपातकालीन परिस्थितियों-जैसे कार्डियक अरेस्ट, सांस रुकना या डूबने जैसी घटनाओं — में सीपीआर के महत्व और उपयोगिता के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। बताया गया कि जब किसी व्यक्ति का हृदय धड़कना बंद कर देता है, तब सीपीआर मस्तिष्क एवं अन्य महत्वपूर्ण अंगों तक रक्त और ऑक्सीजन का प्रवाह बनाए रखने में सहायता करता है। समय पर और सही तरीके से दिया गया सीपीआर व्यक्ति के जीवित रहने की संभावना को दोगुना या तिगुना तक बढ़ा सकता है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को निम्न प्रमुख विषयों पर

विस्तार से जानकारी प्रदान की गई: जीवन रक्षक कौशल के रूप में सीपीआर का महत्व, मस्तिष्क को गंभीर क्षति से बचाने में सीपीआर की भूमिका, आपातकालीन स्थिति में घबराहट पर नियंत्रण एवं त्वरित प्रतिक्रिया, सीपीआर कैसे कार्य करता है और इसे सही तरीके से करने की प्रक्रिया आपातकालीन परिस्थितियों में प्राथमिक सहायता का महत्व इस सत्र का उद्देश्य युवाओं को ऐसे व्यावहारिक कौशलों से सशक्त बनाना था, जो आपातकालीन परिस्थितियों में किसी व्यक्ति का जीवन बचाने में सहायक हो सकते हैं। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता दिखाई तथा सीपीआर से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त कीं। कौशल विकास केंद्र द्वारा इस प्रकार के जागरूकता एवं कौशल आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर किया जा रहा है, जिससे युवाओं को रोजगारोन्मुखी कौशल के साथ-साथ जीवन उपयोगी जानकारी भी प्राप्त हो सके।

सीएम हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली के संबंध में अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण.....

- बहुत जल्द शुरू होने वाली है सीएम हेल्पलाइन सेवा
- हर शिकायत का समाधान जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ करें- कलेक्टर

बिलासपुर। प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की जा रही मुख्यमंत्री हेल्पलाइन सेवा के प्रभावी संचालन के लिए आज जल संसाधन परिसर स्थित प्रार्थना सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी शामिल हुए, जबकि जनपद स्तरीय अधिकारी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कलेक्टर संजय अग्रवाल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संदीप अग्रवाल तथा अपर कलेक्टर शिव कुमार बनर्जी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सेवानिवृत्त अधिकारी अशोक चौबे द्वारा प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली, शिकायतों के पंजीयन, समय-सीमा में निराकरण, विभागीय जवाबदेही, मॉनिटरिंग व्यवस्था एवं शिकायतकर्ता फीडबैक प्रणाली की विस्तार से जानकारी दी गई। बताया गया कि योजना अभी टेस्टिंग मोड में है। मुख्यमंत्री जल्द इस सेवा को आम जनता

को समर्पित करेंगे। अधिकारियों को बताया गया कि शिकायतकर्ता का फीडबैक इस पूरी व्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा होगा तथा शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण और संतोषजनक निराकरण पर विशेष ध्यान देना होगा। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन शासन की महत्वपूर्ण जनहितकारी पहल है, जिसके माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिकायत को गंभीरता, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ लिया जाए ताकि लोगों को समय पर राहत मिल सके। कलेक्टर ने अधिकारियों से प्रशिक्षण को गंभीरता से लेने और प्राप्त जानकारी का व्यवहारिक उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का निराकरण केवल औपचारिकता न हो, बल्कि ऐसा हो जिससे शिकायतकर्ता को वास्तविक संतुष्टि मिले और शासन के प्रति उसका विश्वास और मजबूत हो। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन सेवा शुरू होने से आम नागरिकों की शिकायतों के निराकरण की प्रक्रिया और अधिक सुलभ एवं प्रभावी हो सकेगी।

बिलासपुर रोजगार मेले में 250 नवनियुक्त अभ्यर्थियों को वितरित किए जाएंगे नियुक्ति पत्र

बिलासपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी कल 23 मई, 2026 को सुबह 11 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा 19वें रोजगार मेले में विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में 51 हजार से अधिक नव नियुक्त युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। वे आयोजन को संबोधित भी करेंगे। रोजगार सृजन को प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता के अनुरूप रोजगार मेला इस दृष्टिकोण को साकार रूप देने की महत्वपूर्ण पहल है। रोजगार मेला आरंभ किए जाने के बाद से देश भर में अब तक आयोजित 18 रोजगार मेलों के माध्यम से लगभग 12 लाख नियुक्ति पत्र जारी किए जा चुके हैं। 19वां रोजगार मेला देश भर में 47 स्थानों पर आयोजित किया जाएगा। इसमें देश के सभी हिस्सों से चयनित नव नियुक्त उम्मीदवार रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग आदि सहित केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में कार्यभार ग्रहण करेंगे। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर स्थित एनईआई सभागार में प्रात: 09.30 बजे से इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया जाएगा एनईआई सभागार बिलासपुर में आयोजित इस कार्यक्रम में श्री तोखन साहू, माननीय केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री, भारत सरकार के मुख्य आतिथ्य में 250 नवनियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया जाएगा।

3 साल बाद आई अधिकमास की पद्मिनी एकादशी

17 मई से 15 जून 2026 तक अधिकमास चलेगा। इसे पुरुषोत्तम मास कहा जाता है। वर्ष में यूं तो 12 माह की 24 एकादशियां होती हैं, लेकिन प्रत्येक 3 वर्षों में 13 माह का वर्ष होने से 2 एकादशियां गुजरकर कुल 26 एकादशियां हो जाती हैं। इस बार ज्येष्ठ माह में अधिकमास लगा है। 27 मई बुधवार ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष के दिन पहली पद्मिनी एकादशी का व्रत रखा जाएगा, जिसे कमला और पुरुषोत्तनी एकादशी भी कहते हैं। चलिए जानते हैं महत्व और कथा।

पद्मिनी एकादशी का महत्व :

पद्मिनी (कमला) एकादशी का महत्व (27 मई 2026) : अधिकमास के शुक्ल पक्ष की इस एकादशी को पद्मिनी या कमला एकादशी कहा जाता है। इस दिन व्रत रखने से व्यक्ति को कीर्ति, वैभव और संतान सुख की प्राप्ति होती है। यह व्रत व्रती को सीधे बैकुंठ धाम का अधिकारी बनाता है और जीवन के सभी भौतिक कष्टों को दूर करता है।

शास्त्रों में वर्णित है कि पुरुषोत्तम मास की इन दोनों एकादशियों का व्रत रखने और भगवान विष्णु के 'पुरुषोत्तम' स्वरूप की पूजा करने से सैकड़ों अश्वमेध यज्ञ और वाजपेय यज्ञ करने के समान पुण्य फल प्राप्त होता है। इन तिथियों पर व्रत रखने के साथ-साथ दीपदान, अन्नदान और 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय' महामंत्र का जप करने से पितरों को मोक्ष मिलता है और साधक के जीवन में सुख-समृद्धि का वास होता है।

इन दुर्लभ एकादशियों के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें, स्वच्छ पीले वस्त्र धारण करें और भगवान विष्णु के समक्ष दीपक जलाकर व्रत का संकल्प लें। पूरे दिन फलाहार रहें और द्वादशी तिथि के शुभ मुहूर्त में पारण (व्रत खोलना) करें। इस पावन अवसर को हाथ से न जाने दें और श्रीहरि की कृपा प्राप्त करें। भगवान कृष्ण बोले- मलमास में अनेक पुण्यों को देने वाली एकादशी का नाम पद्मिनी है। इसका व्रत करने पर मनुष्य कीर्ति प्राप्त करके बैकुंठ को जाता है, जो मनुष्यों के लिए भी दुर्लभ है।

गंगा दशहरा पर करें इन चीजों का दान

मिलेगी पापों से मुक्ति!

सनातन धर्म में ज्येष्ठ मास से शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि बहुत ही पावन मानी गई है, क्योंकि यही वो दिन था जब मां गंगा धरती पर अवतरित हुई थीं। इसलिए इस दिन गंगा दशहरा का पावन पर्व मनाया जाता है। गंगा को माता माना जाता है। गंगा सबसे पावन नदी मानी जाती है। हर पूजा-पाठ और धार्मिक अनुष्ठान में गंगाजल का उपयोग किया जाता है। गंगा नदी में डुबकी लगाने से व्यक्ति के जन्म जन्मांतर के पाप कट जाते हैं।मृत्यु के बाद अस्थियां गंगा में विसर्जित करने से मोक्ष प्राप्त होता है। यही कारण है कि गंगा नदी को मोक्षदायनी माना जाता है। गंगा दशहरा के दिन गंगा स्नान-दान का विशेष महत्व है। इससे पुण्य की प्राप्ति होती है। इस साल 25 मई को गंगा दशहरा मनाया जाएगा। इस दिन कई विशेष चीजों का दान किया जाता है। अगर आप भी मां गंगा की कृपा पाना चाहते हैं, तो गंगा दशहरा के दिन इन चीजों का दान जरूर करें।

गंगा दशहरा के दिन करें इन चीजों का दान

जल से भरा मटका:

गंगा दशहरा के दिन जल से भरा मटके का दान करें। इस दान का बहुत महत्व है। इस दिन सुबह स्नान और पूजा-अर्चना करने के बाद मिट्टी के नए घड़े या तांबे के मटके में जल भरकर मिश्री या तुलसी के पत्ते डालकर किसी मंदिर में दान दे दें। ऐसा करने से आर्थिक लाभ होता है।

फल:

गंगा दशहरा के दिन मंदिर या गरीब लोगों में फल का दान करें। धार्मिक मान्यता है कि फल का दान करने से शुभ फल प्राप्त होते है। सुख समृद्धि बढ़ती है और मां गंगा की कृपा प्राप्त होती है।

अन्न और धन:

गंगा दशहरा के अवसर पर सत्तू, चावल, आटा, घन और वस्त्र का दान जरूर करें। इन चीजों का दान करने से जीवन में कभी भी अन्न-धन की कमी नहीं होती है। घर में सदा अन्न-धन का भंडार भरा रहता है।

गर्मियों में क्यों खाना चाहिए जामुन

गर्मियों का मौसम आते ही बाजारों में कई तरह के फल नज़र आने लगते हैं। इन्हीं फलों में से एक है गहरे बैंगनी रंग के छोटे-छोटे जामुन। स्वाद में खट्टा-मीठा और कसैला लगने वाला यह फल केवल जीभ का स्वाद ही नहीं बदलता, बल्कि चिलचिलाती धूप और लू के थपेड़ों के बीच शरीर को अंदर से ठंडा और स्वस्थ रखने का एक बेहतरीन जरिया भी है। आयुर्वेद में जामुन को एक महाऔषधि माना गया है। इसके सेवन से कई तरह के फायदे होते हैं। यहां हम आपको बताने जा रहे हैं गर्मियों में क्यों खाना चाहिए जामुन, इससे क्या क्या फायदे होते हैं। चलिए जानते हैं।

1. ब्लड शुगर को रखे कंट्रोल

जामुन को डायबिटीज के मरीजों के लिए वरदान माना जाता है। इसमें 'जंबोलिन' नामक तत्व पाया जाता है, जो स्टार्च को शुगर में बदलने से रोकता है। सिर्फ फल ही नहीं, बल्कि जामुन की गुठली का पाउडर भी ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने में बेहद कारगर है।

2. पेट की समस्याओं से राहत

गर्मियों में अक्सर पाचन क्रिया सुस्त हो जाती है, जिससे गैस, अपच और कब्ज जैसी समस्याएं होने लगती हैं। जामुन में मौजूद फाइबर और कॉपर पाचन तंत्र को मजबूत करते हैं। यह पेट को ठंडक पहुंचाता है और मरोड़ या दस्त की समस्या में तुरंत राहत देता है।

3. नेचुरल ग्लो

जामुन में भरपूर मात्रा में विटामिन C और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो गर्मियों में सूरज की हानिकारक यूवी किरणों से त्वचा को बचाते हैं। यह खून को साफ करता है, जिससे चेहरे के कील-मुंहासे, दाग-धब्बे दूर होते हैं और त्वचा चमकदार बनती है।

4. दिल के लिए

जामुन में पोटैशियम की मात्रा अधिक होती है, जो हाई ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करती है। इसके नियमित सेवन से धमनियां स्वस्थ रहती हैं, जिससे दिल का दौरा और स्ट्रोक जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा काफी कम हो जाता है।

5. इम्यूनिटी और हीमोग्लोबिन बढ़ाए

गर्मी के मौसम में शरीर जल्दी थक जाता है। जामुन में मौजूद आयरन शरीर में हीमोग्लोबिन के लेवल को बढ़ाता है, जिससे एनीमिया की शिकायत दूर होती है। साथ ही, इसका विटामिन C शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करता है।

आज का राशिफल

मेष राशि - आज आपकी रचनात्मकता (क्रिएटिविटी) आपके दोस्तों को आपकी ओर आकर्षित करेगी। आपका जीवन सहज और सामान्य गति से चले, तो ही आपके लिए बेहतर रहेगा। हीरा, कोयला और चुना आदि के व्यापार से जुड़े जातकों के लिए आज का दिन विशेष लाभ देने वाला सिद्ध हो सकता है। अचानक आई कोई बड़ी जिम्मेदारी आपकी दिनभर की योजनाओं में रुकावट डाल सकती है।

वृषभ राशि - आज किस्मत आपके साथ कदम से कदम मिलाकर चलेगी, कारोबार में पिछले कुछ समय से आ रही सभी दिक्कतें और बाधाएं पूरी तरह समाप्त हो जायेंगी। आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे विशेष व्यक्ति से हो सकती है, जो भविष्य में आपके बिजनेस को बड़ा फायदा करायेगा। लोग आपकी क्रिएटिविटी से प्रभावित होंगे। घर का माहौल पूरी तरह खुशहाल और आनंदमय बना रहेगा।

मिथुन राशि - आज आप खुद को मानसिक रूप से बेहद मजबूत, बेहतर और आत्मविश्वास से भरा हुआ महसूस करेंगे। साझीदारी (पार्टनरशिप) के लिए अच्छे मौके मिलेंगे, लेकिन भली-भांति सोचकर ही कदम बढ़ाए। अनुभवी और मौलिक सोच रखने वाले लोगों की सलाह पर पैसे लगाना आज आपकी सफलता का मंत्र साबित होगा घरेलू मामलों पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है; आज आपकी छोटी सी लापरवाही भी महंगी साबित हो सकती है।

कर्क राशि - कर्क राशि के जातकों को आज अपना सच्चा प्यार मिलने की प्रबल संभावना दिखाई दे रही है। आपकी शोहरत बढ़ेगी और आप लोगों को अपनी तरफ आकर्षित करेंगे। नौकरीपेशा लोगों के लिए कार्यक्षेत्र में बाहरी अवसर या विदेशी कंपनियों से जुड़ने के मजबूत योग है। प्रेम संबंधों में सफलता पाने के लिए आपको परिवार के किसी सदस्य की मदद लेनी पड़ सकती है।

सिंह राशि - आज आप अपनी कठिन मेहनत और लगन के जरिए परिवार की सभी अपेक्षाओं और उम्मीदों पर पूरी तरह खरे उतरने में कामयाब रहेंगे। बिजनेसमैन कल किसी नए काम या नए प्रोजेक्ट की शुरूआत कर सकते है, जिसमें सफलता मिलने के पूरे योग हैं। मीडिया, लेखन और पत्रकारिता से जुड़े लोगों के लिए कल का दिन बेहद शानदार और प्रगतिशील रहेगा।

कन्या राशि - आज आप अपने व्यस्त शेड्यूल से कुछ खाली समय निकाल पाएंगे और उस फुर्सत के पलों का आनंद ले सकेंगे। सुनी-सुनाई बातों पर आँखे मूंदकर यकीन करने से बचें। दफ्तर (ऑफिस) का माहौल कल आपके लिए काफी मुश्किल और चुनौतीपूर्ण हो सकता है, संभलकर काम करें। माताजी की बीमारी या उनकी सेहत कल आपकी परेशानी का कारण बन सकती है; उनका ध्यान बटाने का प्रयास करें।

तुला राशि-तुला राशि वालों के लिए कल का दिन सर्वत्र सफलता लेकर आने वाला है, बुजुर्गों और उच्च पदाधिकारियों की विशेष कृपा दृष्टि रहने के कारण आप सभी प्रकार के तनावों से मुक्त रहेंगे। यदि पैतृक संपत्ति से आपने कोई बड़ी आस या उम्मीद लगा रखी थी, तो कल वह इच्छा पूरी हो सकती है। कार्यक्षेत्र में कल आपको अत्यधिक सावधान रहना होगा; बिना सोचे-समझे किसी से भी कोई बड़ा वादा न करें।

वृश्चिक राशि – वृश्चिक राशि के जातकों के लिए कल का दिन मिलाजुला रहने वाला है, वित्तीय मामलों में समझदारी से काम लें और पैसों से जुड़े बड़े फैसले सोच-समझकर ही लें। यदि आज आप अपने जीवनसाथी की सलाह और मशवरे से कोई भी काम करेंगे, तो आपको उसमें बड़ा फायदा मिलेगा। ऑफिस में किसी सहकर्मी (colleague) के साथ बेवजह की बहस या वैचारिक मतभेद होने की आशंका है, वाणी पर संयम रखें।

धनु राशि- आज आप अपनी बुद्धिमत्ता से अच्छा पैसा कमाने में सफल रहेंगे, लेकिन खर्चों में यकायक हुआ इजाफा आपकी बचत को काफी मुश्किल बना देगा। दोस्त और करीबी रिश्तेदार हर मोड़ पर आपकी मदद करेंगे, जिससे आप उनके साथ काफी खुशी महसूस करेंगे। कार्यस्थल या समाज में विवादित मुद्दों को उठाने से बचें। नए विचार फायदेमंद साबित होंगे, लेकिन मन में नफरत की भावना पालना महंगा पड़ सकता है।

मकर राशि - मकर राशि वालों को आज सफलता पाने के लिए बहुत कठोर परिश्रम करना होगा और हर परिस्थिति में सचेत रहना होगा। सरकारी नौकरी से जुड़े लोगों को अपने बेहतरीन काम से समाज और विभाग में नई पहचान मिलने के संकेत हैं। बेरोजगारों को नई नौकरी की तलाश के लिए कल कड़ा संघर्ष करना पड़ सकता है। ऑफिस में किसी सहयोगी या जूनियर से वाद-विवाद और मनमुटाव होने की आशंका है।

कुंभ राशि- कुंभ राशि के जातकों के लिए आज का दिन पूरी तरह से अनुकूल और सकारात्मक रहेगा। आपके सोचे हुए सभी जरूरी काम आज आसानी से पूरे हो जायेंगे। व्यापार या किसी नई व्यावसायिक योजना में पैसा लगाना आज आपके लिए बेहद फायदेमंद और लाभदायक सिद्ध रहेगा। जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए व्यर्थ के झगड़ों और गॉसिप से बचें और अपना सारा ध्यान केवल अपने काम पर लगायें।

मीन राशि- आज आपके मस्तिष्क में कई नए और बेहतरीन विचार कौधेंगे, आप जिन भी नए कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से कहीं ज्यादा फायदा और मुनाफा देंगे। ऑफिस में कुछ सहकर्मी कई अहम मुद्दों पर आपकी कार्यशैली या निर्णयों से नाखुश हो सकते हैं, लेकिन यह बात वे आपको सामने से नहीं बताएंगे।

साड़ी आयरन करने के रूल्स

बचपन में मां को घर के कपड़ों के साथ अपनी सबसे चहेती साड़ी को प्रेस करते जरूर देखा होगा। कैसे मां उन साड़ियों को आहिस्ते से और पूरे इत्मनीन से आयरन करती। मां के हल्का सा इस्त्री चलाते ही साड़ी की हर सिलवट दूर हो जाती। बड़े होने के साथ हम वो चीजें भूल गए और अब जब साड़ी को पहनना पड़ता है तो याद आता है कि कैसे मां झटपट अपनी साड़ी को घर पर ही प्रेस कर सुंदर और चिकना बना देती थी। कपड़ों खासतौर पर साड़ी को आयरन करते वक्त छोटी-छोटी कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। जिससे ना केवल कॉटन बल्कि कीमती जरी साड़ी भी कभी खराब ना हों।

कॉटन साड़ियों को हल्का गीला रखें

साड़ी अगर कॉटन फैब्रिक की है तो उसे हल्का गीला करके ही आयरन करें। हल्के गीले कपड़ों पर आयरन चलाने से वो ज्यादा आसानी से प्रेस होकर सीधे हो जाते हैं और सारी सिलवट आसानी से खत्म हो जाती है।

आयरन करने का डायरेक्शन

साड़ी बहुत सिकुड़ी है और सिलवट ढेर सारी है तो इस रूल को हमेशा याद रखें। हमेशा जिस दिशा में सिलवट हो उसी तरफ स्ट्रोक मारकर आयरन करना चाहिए। अक्सर साड़ी कि किनारे सिकुड़ जाते हैं तो उन्हें बाहरी तरफ इस्त्री मारकर सीधा करना चाहिए।

उल्टी तरफ करके आयरन करें

कपड़े के किसी भी नुकसान से बचना है। प्रिंट, कढ़ाई, जरी हीट की वजह से डल ना पड़ जाए या फिर जल ना जाए इसलिए हमेशा उल्टी तरफ से आयरन करना चाहिए।

बॉर्डर को आयरन करते वक्त ये टिप्स रखें याद

साड़ी का बॉर्डर हमेशा डेलिकेट होता है। इस पर एंब्रायडरी, जरी, कढ़ाई होती है। अब गर्म प्रेस से ये बॉर्डर की चमक चली ना जाए इसके लिए जरूरी है कि आयरन के वक्त छोटी बातों का ध्यान रखें जैसे आयरन का टेंपरेचर कम कर लें, बॉर्डर के ऊपर एक एक्स्ट्रा कॉटन का कपड़ा रखकर प्रेस करें। जरा सी लापरवाही और आपकी साड़ी के बॉर्डर की चमक चली जा सकती है।

गर्म आयरन को हैंगर में ना टांगे

आयरन करने के बाद साड़ी का फैब्रिक काफी गर्म होता है और उसके पोर्स खुले होते हैं। फौरन टांगने पर इसमें हैंगर के पास निशान बन सकता है। इसलिए साड़ी को प्रेस करने के बाद कुछ देर के लिए रखा रहने दें। उसके बाद हैंगर में हैंग करें।

जिम करने वालों के लिए क्यों जरूरी है योग?

आज के समय में फिटनेस के प्रति जागरूकता तेजी से बढ़ रही है और बड़ी संख्या में लोग जिम जाकर वर्कआउट कर रहे हैं। मसल्स बनाना, बॉडी टोन करना और फिजिकल स्टैंथ बढ़ाना अब एक आम लक्ष्य बन चुका है। लेकिन केवल जिम करना ही पूरी फिटनेस की गारंटी नहीं देता।

मानसिक तनाव कम होता है

जिम शरीर को फिट करता है, लेकिन योग मन को शांत करने में मदद करता है। ध्यान (मेडिटेशन) और प्राणायाम से दिमाग में चल रही भागदौड़ कम होती है। इससे स्ट्रेस लेवल घटता है और फोकस बढ़ता है। जो लोग रोज जिम करते हैं, उनके लिए योग मानसिक बैलेंस बनाए रखने का एक बेहतरीन तरीका है। यह नींद की गुणवत्ता भी सुधारता है और मूड को बेहतर बनाता है।

फिटनेस एक्सपर्ट्स के अनुसार, जिम के साथ योग को जोड़ना शरीर और मन दोनों के लिए बेहद फायदेमंद होता है। दोनों का संयोजन एक परफेक्ट हेल्दी लाइफस्टाइल बनाता है। यही वजह है कि आजकल कई फिटनेस ट्रेनर भी अपने रूटीन में योग को शामिल करने की सलाह देते हैं।

जिम में किए जाने वाले वेट ट्रेनिंग और हाई-इंटेंसिटी वर्कआउट से मसल्स मजबूत तो होती है, लेकिन कई बार शरीर टाइट भी हो जाता है। ऐसे में योग एक नेचुरल स्ट्रेचिंग का काम करता है। नियमित योगासन जैसे ताड़ासन, भुजंगासन और पश्चिमोतानासन शरीर की मांसपेशियों को खोलते हैं और उन्हें लचीला बनाते हैं। इससे मूवमेंट आसान होता है और बॉडी में जकड़न महसूस नहीं होती। फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ने से जिम में परफॉर्मेंस भी बेहतर होती है। जिम में भारी वजन उठाने या गलत पोस्चर से इंजरी का खतरा बढ़ जाता है। योग मांसपेशियों, लिगामेंट्स और जोड़ों को मजबूत बनाकर शरीर को बैलेंस देता है। जब शरीर ज्यादा लचीला और स्थिर होता है, तो एक्सरसाइज करते समय चोट लगने की संभावना काफी कम हो जाती है। इसलिए योग एक तरह से शरीर की प्री-वर्कआउट और पोस्ट-वर्कआउट सुरक्षा कवच की तरह काम करता है। योग में किए जाने वाले प्राणायाम जैसे अनुलोम-विलोम और कपालभाति फेफड़ों की क्षमता बढ़ाते हैं। इससे शरीर को ज्यादा ऑक्सीजन मिलती है, जो जिम वर्कआउट के दौरान स्टैमिना बढ़ाने में मदद करती है। बेहतर ब्रीदिंग से थकान भी कम महसूस होती है और रिकवरी तेजी से होती है। यह दिल और फेफड़ों दोनों के लिए फायदेमंद है। योग शरीर के संतुलन और कंट्रोल को बेहतर बनाता है। कई योगासन ऐसे होते हैं जो कोर मसल्स को मजबूत करते हैं और शरीर को स्थिर रखते हैं। इससे जिम में भारी वेट उठाते समय या एक्सरसाइज करते समय बॉडी पर बेहतर कंट्रोल रहता है। बैलेंस अच्छा होने से परफॉर्मेंस बढ़ती है और गलत मूवमेंट की संभावना कम हो जाती है।

पूड़ियां बच्चों और बड़ों दोनों के लिए बेहतरीन ऑप्शन

भारतीय घरों में पूड़ी का नाम सुनते ही हर किसी के चेहरे पर मुस्कान आ जाती है। चाहे रविवार का खास नाश्ता हो, त्योहार का मौका या फिर अचानक आए मेहमान, गरमागरम पूड़ी हर मौके को खास बना देती है। लेकिन पूड़ी के नाम पर अक्सर लोग गेंहू या मैदे के आटे से बनी पूड़ियां ही खाते हैं और इसे हेल्दी भी नहीं मानते। जबकि सच यह है कि थोड़ी क्रिएटिविटी और सही सामग्री के साथ पूड़ी को स्वादिष्ट होने के साथ-साथ हेल्दी भी बनाया जा सकता है। साथ ही अगर आप एक ही तरह की पारंपरिक पूड़ी खाकर बोर हो गए हैं तो सामग्री में फेरबदल करके हेल्दी पूड़ियां बना सकते हैं और सर्व कर सकते हैं।

अगर आप भी नई तरह की पूड़ियां खाना चाहते हैं तो पालक, चुकंदर, मेथी, बाजरा और ओट्स जैसी पौष्टिक चीजों से बनी पूड़ियां काफी पसंद की जा रही हैं। ये न सिर्फ स्वाद बढ़ाती हैं बल्कि शरीर को जरूरी पोषण भी देती हैं। खास बात यह है कि बच्चे भी इन रंग-बिरंगी और स्वादिष्ट पूड़ियों को बड़े चाव से खाते हैं। अगर आप भी रोज एक जैसी साधारण पूड़ी खाकर बोर हो चुके हैं, तो यहां जानिए 5 ऐसी हेल्दी और टेस्टी पूड़ी रेसिपीज, जिन्हें आप हर दिन अलग-अलग तरीके से बना सकते हैं। ये रेसिपीज स्वाद और सेहत दोनों का शानदार कॉम्बिनेशन

पालक पूड़ी :- पालक पूड़ी स्वाद और सेहत का बेहतरीन मेल है। साथ ही यह आयरन से भरपूर हेल्दी विकल्प है। इसे बनाना बेहद आसान है। इसमें पालक को पीस कर उसे आटे में मिलाकर गूंथा जाता है। फिर सामान्य पूड़ियों की तरह बेलकर सेक लिया जाता है। यह पूड़ी आयरन और फाइबर से भरपूर होती है। इसे आलू की सब्जी या दही के साथ सर्व किया जा सकता है। बच्चों को हरी सब्जियां खिलाने का यह शानदार तरीका माना जाता है।

चुकंदर पूड़ी :- चुकंदर की पूड़ी दिखने में जितनी खूबसूरत लगती है, उतनी ही हेल्दी भी होती है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन शरीर के लिए फायदेमंद माने जाते हैं। इसका गुलाबी रंग बच्चों को काफी आकर्षित करता है और यह पार्टी स्नैक के तौर पर भी शानदार विकल्प है। इसे बनाने के लिए आप चुकंदर को पीसकर उसे आटे के साथ गूंथ सकते हैं। अगर आप चुकंदर का जूस या सूप पीते हैं तो उससे बची सामग्री में मिलाकर भी पूड़ी तैयार कर सकते हैं।

मेथी पूड़ी :- मेथी की ताजी पत्तियों से बनी पूड़ी सर्दियों में खास तौर पर पसंद की जाती है। यह शरीर को गर्म रखने में मदद कर सकती है। मेथी पूड़ी को अचार और चाय के साथ खाने का स्वाद कई गुना बढ़ जाता है।

बाजरा पूड़ी :- अगर आप हेल्दी डाइट फॉलो कर रहे हैं, तो बाजरे की पूड़ी आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकती है। बाजरा फाइबर और कैल्शियम से भरपूर होता है, जो लंबे समय तक पेट भरा रखने में मदद करता है। ये वजन घटाने वालों के लिए बेस्ट होती हैं। इसे दही या लहसुन की चटनी के साथ खाया जा सकता है।

ओट्स और मूंग दाल पूड़ी :- ओट्स और मूंग दाल से बनी पूड़ी हेल्दी ब्रेकफास्ट के लिए शानदार विकल्प है। इसमें प्रोटीन और फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है, जिससे शरीर को एनर्जी मिलती है। फिटनेस पसंद करने वाले लोग इसे खास तौर पर अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

एक ही ऐप में रेलवे की सभी सुविधाएँ, यात्रियों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा रेलवन ऐप

रायपुर मंडल के व्यापक प्रचार-प्रसार से बढ़ रहा डिजिटल टिकटिंग का दायरा, लाखों यात्री उठा रहे लाभ

बुकिंग काउंटर पर हेल्प डेस्क के माध्यम से भी रेलवन ऐप डाउनलोड कर टिकट बुक करना यात्रियों को सिखाया

भाटापारा। भारतीय रेलवे द्वारा यात्रियों को आधुनिक, त्वरित एवं सुविधाजनक डिजिटल सेवाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में विकसित रेलवन ऐप यात्रियों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। पिछले वर्ष जुलाई में प्रारंभ किए गए इस एकीकृत मोबाइल ऐप को देशभर में अब तक करोड़ों लोग डाउनलोड कर चुके हैं तथा इसका उपयोग लगातार बढ़ रहा है। इस ऐप के माध्यम से यात्री आरक्षित, अनारक्षित एवं प्लेटफॉर्म टिकटों की आसानी से बुकिंग कर सकते हैं, साथ ही टिकट रद्दीकरण एवं रिफंड की प्रक्रिया भी बेहद सरल एवं त्वरित रूप में उपलब्ध है। यात्रियों को पीएनआर स्टेटस, वेटिंग स्थिति, लाइव ट्रेन रनिंग स्टेटस, ट्रेन के आगमन एवं प्रस्थान समय, प्लेटफॉर्म नंबर तथा कोच पोजिशन जैसी महत्वपूर्ण जानकारियाँ भी रियल टाइम में प्राप्त होती है।

मंडल द्वारा व्यापक प्रचार-प्रसार

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल द्वारा रेलवन ऐप के प्रचार-प्रसार हेतु निरंतर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। रायपुर मंडल के स्टेशनों के बुकिंग कार्यालयों में रेलवन ऐप के फ्लेक्स, बैनर एवं पोस्टर प्रदर्शित किए गए हैं। प्रमुख स्टेशनों पर उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से यात्रियों को ऐप की जानकारी दी जा रही है। वाणिज्य विभाग द्वारा प्रमुख स्टेशनों पर हेल्प डेस्क संचालित कर यात्रियों को ऐप डाउनलोड करने, टिकट बुकिंग एवं डिजिटल भुगतान संबंधी सहायता प्रदान की जा रही है। इसके अलावा वाणिज्य विभाग के कर्मचारियों एवं पर्यवेक्षकों द्वारा प्लेटफॉर्मों पर यात्रियों को इससे होने वाली सुविधाओं की जानकारी देकर जागरूक किया जा रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से भी रेलवन ऐप का निरंतर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है, जिससे अधिकाधिक यात्री डिजिटल टिकटिंग सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अवधेश कुमार त्रिवेदी ने बताया कि – रेलवन ऐप की जानकारी यात्रियों को अनाउंसमेंट के माध्यम से, सोशल मीडिया, समाचार पत्रों और हेल्प डेस्क लगाकर उनके मोबाइल में ऐप डाउनलोड कर मोबाइल की उपयोगिता समझाइए गई है। मंडल के सभी प्रमुख स्टेशनों पर वाणिज्य विभाग के कर्मचारी यात्रियों को रेल एप्प के बारे में जागरूक कर रहे हैं। रेलवन ऐप भारतीय रेल की डिजिटल सेवाओं को एक मंच पर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इससे यात्रियों को तेज, पारदर्शी एवं सुविधाजनक सेवाएँ मिल रही हैं। इसके माध्यम से यात्रियों को डिजिटल टिकटिंग एवं आधुनिक सुविधाओं से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

रेलवन ऐप सुरक्षित, सुविधाजनक एवं तेज डिजिटल भुगतान सुविधा उपलब्ध कराता है। रेलवन ऐप में यात्रियों को तेज, सुरक्षित एवं सुविधाजनक डिजिटल टिकटिंग सुविधा मिलने के कारण यात्रियों का समय एवं श्रम दोनों की बचत हो रही है तथा टिकट काउंटरों में भीड़ एवं लंबी कतारों से राहत मिल रही है। यात्री कहीं से भी अपने मोबाइल के माध्यम से आसानी से टिकट बुक कर सकते हैं। यह ऐप पारदर्शी एवं कैशलेस टिकटिंग व्यवस्था को बढ़ावा देने के साथ-साथ खुले पैसे एवं फेक करेंसी जैसी समस्याओं से भी राहत प्रदान कर रही है। यात्रियों की सुविधा को और बेहतर बनाते हुए रेलवन ऐप के माध्यम से यात्रा के दौरान भोजन ऑर्डर करने की सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे पसंदीदा भोजन सीट तक पहुँचाया जाता है। डिजिटल इंडिया अभियान को सशक्त बनाने में भी रेलवन ऐप महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। रेलवन ऐप के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुक कर डिजिटल भुगतान करने पर यात्रियों को 3 प्रतिशत की छूट भी प्रदान की जा रही है, जो 14 जुलाई 2026 तक प्रभावी है।

सुशासन तिहार में हो रहा समस्याओं का वरित समाधान, सिंगारपुर शिविर में 356 आवेदनों का मौक़े पर निराकरण

विभिन्न योजना के तहत 114 हितग्राहियों को सामग्री वितरित

बलौदाबाजार। राज्य शासन के निर्देशानुसार जन शिकायतों का समयबद्ध एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करने तथा आम जनता को सुगम, पारदर्शी एवं त्वरित रूप से सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत सोमवार को विकासखंड भाटापारा के ग्राम पंचायत सिंगारपुर में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में सिंगारपुर सहित 17ग्राम पंचायत के लोग शामिल हुए। शिविर में प्राप्त 1568 आवेदनों में से 356 का मौके पर ही निराकरण किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने सुशासन तिहार अंतर्गत समाधान शिविर आयोजन के उद्देश्य, जिले में शिविरों की संख्या तथा अब तक सम्पन्न हुए शिविरों में प्राप्त आवेदनों की संख्या के बारे में जानकारी दी।उन्होंने कहा कि शासन की मंशा अनुसार गांव में ही लोगों की समस्याओं का समाधान के लिए पूरा प्रशासन मौजूद है। यहां प्राप्त होने वाले अधिक से अधिक आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस शिविर में समस्या, शिकायत व मांग से सम्बंधित आवेदन लेने के साथ ही स्वास्थ्य शिविर भी लगा है जहां विभिन्न प्रकार के जांच, ईलाज व दवा मुफ्त में मिल रही है, उसका भी लाभ लें। विभागीय स्टॉल में योजनाओं की जानकारी अधिकारियो से प्राप्त कर सकते है। शिविर में विभिन्न योजना अंतर्गत लगभग 114 हितग्राहियों को सामग्री व चेक वितरित किया गया। इसमें खाद्य विभाग द्वारा राशन कार्ड, स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान कार्ड पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा मनरेगा जॉब कार्ड, पीएम आवास योजना अंतर्गत आवास की चाबी, मछली पालन विभाग द्वारा महाजाल व आइस बॉक्स, उद्यानिकी विभाग द्वारा 10 हितग्राहियों को फलदार पौधे खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा बच्चों को स्पोर्ट्स किट शामिल है। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य राजा जायसवाल, सी ई ओ जिला पंचायत दिव्या अग्रवाल, एसडीएम श्यामा पटेल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

हर वार्ड में जरूरत के हिसाब से विकास कार्य कराए जा रहे हैं : रामू रोहरा

रिसाईपारा पूर्व वार्ड में 13.92 लाख की आरसीसी नाली निर्माण कार्य का भूमिपूजन

धमतरी। नगर पालिक निगम धमतरी के अंतर्गत रिसाईपारा पूर्व वार्ड में जमात खाना से आंगनबाड़ी होते हुए पवन हार्डवेयर, नोवेल्टी शॉप से देवश्री टॉकीज तक बनने वाली आरसीसी नाली निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। इस निर्माण कार्य की लागत राशि 13.92 लाख रुपए है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महापौर जगदीश रामू रोहरा रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सभापति कौशिल्या देवांगन ने की, जबकि लोकनिर्माण विभाग के सभापति विजय मोटवानी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर महापौर रामू रोहरा ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में लगातार विकास कार्य किए जा रहे हैं। शहर की मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए सड़क, नाली, पेयजल और विद्युत व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस आरसीसी नाली निर्माण से क्षेत्र में जलभराव और गंदगी की समस्या से लोगों को राहत मिलेगी तथा बरसात के दिनों में आवागमन भी सुगम होगा। महापौर ने कहा कि निगम का प्रयास है कि हर वार्ड में जरूरत के अनुसार विकास कार्य कराए जाएं, ताकि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में धमतरी शहर को लगातार विकास की सौगात मिल रही है और आने वाले समय में भी अनेक जनहितकारी कार्य कराए जाएंगे। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों एवं वार्डवासियों ने निर्माण कार्य शुरू होने पर खुशी जताई और निगम प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। इस दौरान पार्षदगण, निगम अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। वार्ड पार्षद मेघराज ठाकुर ने आभार व्यक्त करते हुए कहा महापौर रामू रोहरा के नेतृत्व मे विकास की गंगा बह रही है।

कैबिनेट मंत्री ने शहर के व्यस्त मार्गों का किया जमीनी मुआयना : शहर के सौंदर्यीकरण और ट्रैफिक दबाव कम करने अधिकारियों को दिए ठोस कार्ययोजना बनाने के निर्देश

प्रमुख चौकों का होगा कायाकल्प, चौड़ीकरण और आधुनिक लाइटिंग से बदलेगी शहर की रूपरेखा

दुर्ग। प्रदेश सरकार शहरों में आधुनिक, सुरक्षित और सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था विकसित करने के लिए निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसी कड़ी में दुर्ग शहर के व्यस्ततम क्षेत्रों में बढ़ते यातायात के दबाव को नियंत्रित करने, सुगम आवागमन सुनिश्चित करने और नागरिकों को जाम की समस्या से स्थाई राहत दिलाने के उद्देश्य से कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने आज शहर का सघन भ्रमण किया। सुबह 9 बजे से शुरू हुए इस निरीक्षण कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर अभिजीत सिंह और एसएसपी विजय अग्रवाल भी मौजूद रहे। पुलिस प्रशासन और लोक निर्माण विभाग के आला अधिकारियों के साथ मिलकर कैबिनेट मंत्री यादव ने जमीनी हकीकत का जायजा लिया और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए यातायात व्यवस्था में सुधार के आवश्यक निर्देश दिए। भ्रमण के दौरान कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने प्रशासनिक अधिकारियों की टीम के साथ मुख्य रूप से पटेल चौक, अग्रसेन चौक, होटल मान चौक तथा रेलवे स्टेशन क्षेत्र का विस्तृत निरीक्षण किया। इसके पश्चात उन्होंने अधिकारियों के साथ पटेल चौक से स्टेशन रोड, शिक्षक नगर होते हुए इंदिरा मार्ग रोड जैसे अत्यधिक व्यस्त रहने वाले मार्गों का पैदल भ्रमण किया और वर्तमान ट्रैफिक व्यवस्था को बारीकियों को समझा। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य सभी प्रमुख चौक-चौराहों पर यातायात के प्रवाह को अधिक सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाना था।

साथ ही इन क्षेत्रों के सौंदर्यीकरण को लेकर भी विस्तृत समीक्षा की गई और मंत्री यादव ने आवश्यक एवं व्यावहारिक सुझाव दिए, जिससे शहर का स्वरूप और बेहतर हो सके। निरीक्षण के दौरान कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने पटेल चौक, मिनीमाता चौक, जेल तिराहा चौक और अग्रसेन चौक के सौंदर्यीकरण की गोलाई को तय मानक के अनुसार विकसित करने तथा वहाँ संपूर्ण विद्युतीकरण कार्य कराने के संबंध में अधिकारियों को निर्देशित किया। इसके साथ ही, मिनीमाता चौक से ठगड़ा बांध जेल तिराहा मार्ग को रोशनी से सराबोर करने के लिए लोक निर्माण विभाग (विद्युत यांत्रिकी) को जिम्मेदारी सौंपी गई। सुगम यातायात को ध्यान में रखते हुए उन्होंने होटल मान के सामने स्थित चौक के चौड़ीकरण हेतु नगर निगम दुर्ग को आवश्यक कदम उठाने को कहा, साथ ही होटल मान चौक से हरनाबांधा मुक्तिधाम मार्ग में नई स्ट्रीट लाइट लगवाने के लिए नगर निगम दुर्ग एवं लोक निर्माण विभाग (विद्युत यांत्रिकी) को संयुक्त रूप से निर्देशित किया। इस दौरान अधिकारियों से चर्चा करते हुए कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि शहर के ट्रैफिक प्रबंधन को प्रभावी बनाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा आने वाले समय में शहर की आबादी और वाहनों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए व्यापक और ठोस कार्यबद्ध योजना तैयार की जाए। उन्होंने भरोसा जताया कि आने वाले समय में इन चिन्हित क्षेत्रों में आवश्यक अधोसंरचनात्मक और यातायात सुधार संबंधी बुनियादी कार्य किए जाएंगे, जिससे नागरिकों को लंबे समय से हो रही जाम की समस्या से पूरी तरह मुक्ति मिल सकेगी। इस अवसर पर लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता आशीष भट्टाचार्य, एस.डी.ओ. एस. साहू तथा उप अभियंता राकेश वर्मा सहित जिला प्रशासन, पुलिस और लोक निर्माण विभाग के अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

पुलिस ने अजय चौहान को हत्या के आरोप में किया गिरफ्तार

सरायपाली। पुलिस ने हत्या के एक सनसनीखेज मामले का खुलासा कर आरोपी पुत्र को घटना के कुछ ही घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी अपने ही पिता की हत्या करने के बाद फरार हो गया था। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम रिसेकेला निवासी जयलाल सागर उर्फ जयलाल चौहान (48 वर्ष) की संदिग्ध मौत की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की। शव परीक्षण एवं निरीक्षण के दौरान मृतक के सिर पर गंभीर चोट के निशान पाए गए, जिससे मामला हत्या का प्रतीत हुआ। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि 17 मई को रात मृतक और उसके पुत्र अजय सागर उर्फ अजय चौहान के बीच घरेलू विवाद हुआ था। विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी पुत्र ने अपने पिता के साथ मारपीट की और घर की बाड़ी में पड़ी ईंट उठाकर उनके सिर पर हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने से जयलाल चौहान लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। परिजनों द्वारा घायल अवस्था में जयलाल चौहान को शासकीय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मर्ग जांच में यह स्पष्ट हुआ कि सिर पर ईंट से किए गए हमले के कारण उनकी मौत हुई है। इसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 103 (1) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की। सरायपाली पुलिस लगातार आरोपी की तलाश में जुटी हुई थी। इसी दौरान 18 मई को रात लगभग 8 बजे मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस ने ग्राम बोदापाली में घेराबंदी कर आरोपी अजय चौहान को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की क्षेत्र में सराहना की जा रही है।

अघरिया समाज का बाल सभा व प्रतिभा सम्मान समारोह

सरायपाली। अखिल भारतीय अघरिया समाज क्षेत्रीय समिति की आवश्यक बैठक फुलझर अघरिया कन्या छात्रावास में आयोजित की गई। बैठक में 12 परिक्षेत्रों के अध्यक्षों सहित बड़ी संख्या में सामाजिक जन उपस्थित रहे। बैठक में आगामी 31 मई को क्षेत्रीय स्तर पर बाल सभा एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में बताया गया कि समारोह के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष, जनपद अध्यक्ष, जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत सदस्यों, नगरपालिका अध्यक्ष, ब्लॉक के सरपंचों तथा अन्य जनप्रतिनिधियों का सम्मान किया जाएगा। साथ ही कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर हुई चर्चा में निर्णय लिया गया कि बाल सभा का आयोजन 31 मई को शाम 4 बजे से फुलझर अघरिया कन्या छात्रावास में किया जाएगा। बैठक में समाज की गतिविधियों के प्रचार-प्रसार एवं समाज में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से क्षेत्रीय स्तर पर बाल सभा आयोजित करने पर जोर दिया गया। बैठक में संरक्षक त्रिलोचन पटेल, क्षेत्रीय अध्यक्ष नेहरू लाल पटेल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जितेंद्र पटेल, कोषाध्यक्ष लव कुमार पटेल, संयोजक डोलचंद पटेल, केंद्रीय प्रतिनिधि नेहरू चौधरी, पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष खेमराज पटेल, पाटसेंद्री परिक्षेत्र अध्यक्ष कामता पटेल सहित रूपलाल नायक, शोभाराम पटेल, बलिराम पटेल, श्यामलाल पटेल, हृदयराम नायक, विजय पटेल एवं मीडिया प्रभारी रामकुमार पटेल सहित अन्य सामाजिक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

'संकल्प, शिक्षा और सफलता : बाल संप्रेषण गृह के 6 बच्चों ने परीक्षा में पाई सफलता'

दुर्ग। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के मार्गदर्शन में बाल संप्रेषण गृह दुर्ग में निवासरत बालकों को कक्षा 7वीं, 10वीं, 11वीं एवं 12वीं की परीक्षाओं की तैयारी कराई जा रही थी। बच्चों को अध्ययन सामग्री एवं शिक्षकों की समुचित व्यवस्था उपलब्ध कराई गई थी। कठिन पारिवारिक, सामाजिक एवं मानसिक परिस्थितियों के बावजूद बच्चों ने हार नहीं मानी और निरंतर अध्ययन जारी रखा।

इन बच्चों की मेहनत एवं लगन यह संदेश देती है कि परिस्थितियाँ कैसी भी हों, दृढ़ संकल्प और निरंतर प्रयास से सफलता प्राप्त की जा सकती है। अनुशासन एवं नियमित अध्ययन से बच्चों में आत्मविश्वास का विकास हुआ है तथा यह सिद्ध हुआ है कि सतत प्रयास से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

बच्चों की इस सफलता ने यह प्रमाणित किया है कि यदि प्रत्येक बच्चे को उचित अवसर एवं सकारात्मक वातावरण मिले, तो वह नई ऊँचाइयों को प्राप्त कर सकता है। परीक्षा की तिथि निकट आने पर बालकों को परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति हेतु आवेदन किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। किशोर न्याय बोर्ड द्वारा बच्चों के शैक्षणिक हितों को ध्यान में रखते हुए परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति प्रदान की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कुल 7 बच्चों को परीक्षा में सम्मिलित होने अनुमति प्रदान की गई थी, जिसमें से 6 बच्चों ने सफलतापूर्वक परीक्षा उत्तीर्ण की।

बच्चों की इस उपलब्धि से संस्था में हर्ष एवं उत्साह का वातावरण है। शिक्षा प्राप्त कर बालक अपने भविष्य को बेहतर बना सकते हैं तथा खेल, कला, संगीत एवं अन्य गतिविधियों में भी अपनी प्रतिभा का विकास कर सकते हैं। साथ ही वे समाज के अन्य जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा के लिए प्रेरित कर सकते हैं, आत्मनिर्भर बनकर समाज में सकारात्मक योगदान दे सकते हैं तथा कंप्यूटर, तकनीकी एवं नवाचार आधारित प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगार के नए अवसर भी हासिल कर सकते हैं।

बच्चों की सफलता ने यह सिद्ध कर दिया है कि शिक्षा जीवन को बदलने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। इससे अन्य बच्चों में भी शिक्षा के प्रति जागरूकता एवं गंभीरता बढ़ेगी।

कलेक्टर ने गुड़ेलिया में समर कैम्प,पीडीएस एवं लाइब्रेरी का किया अवलोकन

बलौदाबाजार। भाटापारा विकासखंड प्रवास के दौरान कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने आदर्श ग्राम पंचायत गुड़ेलिया में संचालित विभिन्न कार्यक्रमों का अवलोकन किया। उन्होंने शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला में आयोजित समर कैम्प का जाएजा लिया। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा बनाए गये विभिन्न मॉडल और उनके सीखने की दक्षता की सराहना करते हुए अपने रूचि के क्षेत्र में कैरियर के लिये आगे बढ़ने प्रोत्साहित किया। समर कैम्प में बच्चों के अलग-अलग समूह के द्वारा अलग-अलग मॉडल बनाए गए थे जिसमें रेन अलर्ट सिस्टम, स्मार्ट डोर, स्मोक प्रोजेक्टर, स्मार्ट स्ट्रीट लाइट, डिस्टेंस मिजरिंग सिस्टम, 3डी प्रिंटिंग आदि शामिल हैं।यहां 5 दिन पूर्व से यह समर कैम्प संचालित हैं।समर कैम्प में बच्चों को आधुनिक तकनीकों जैसे रोबोटिक्स, ड्रोन, 3डी प्रिंटिंग, कोडिंग एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से परिचित कराया जा रहा है। कलेक्टर ने गुड़ेलिया में नवनिर्मित पीडीएस भवन अन्नपूर्णा में नारी शक्ति संगठन समूह द्वारा संचलित सार्वजनिक राशन दुकान का निरीक्षण किया। इस दौरान संचालक से कुल हितग्राहियों की संख्या, राशन वितरण एवं शेष हितग्राहियों की जानकारी ली। उन्होंने राशन लेने आये ग्रामीणों से पूछा कि तीन महीने का एकमुश्त चावल मिला कि नहीं, कितना मिला, शकर क्या मूल्य पर मिलता है. ग्रामीणों ने बताया कि तीन माह का चावल 105 किलो मिल रहा है। राशन लेने में कोई परेशानी नहीं होती। कलेक्टर ने ग्राम पंचायत द्वारा संचालित लाइब्रेरी का भी अवलोकन किया और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे युवाओं से बात की।उन्होंने लाइब्रेरी को और बेहतर बनाने तथा कंप्यूटर व पत्रिका की संख्या बढ़ाने कहा। इसके पश्चात ग्राम शक्ति संगठन द्वारा किये जा रहे विभिन्न आजीविकामूलक गतिविधियों का निरीक्षण किया जिसमें चेन लिंक फेंसिंग, पेवर ब्लॉक एवं फ्लाई एश ईट निर्माण शामिल है। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल, एसडीएम श्यामा पटेल, सरपंच संकेत अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायतीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com